फाल्गुन शुक्ल - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 215 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 01-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 तपेदिक को खत्म करने का लक्ष्य इस साल हासिल कर लेगा भारत : नड्डा

6 झारखंड में मिला 14 करोड़ साल पुराना 'खजाना'

7 'दम लगाके हईशा' की रिलीज से पहले कई रातों तक सो नहीं पाया था : आयुष्मान खुराना

फर्स्ट टेक

'स्पैडेक्स' प्रयोग फिर शुरू करेगा इसरो

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) मार्च के मध्य में 'स्पैडेक्स' मिशन के तहत फिर प्रयोग शुरू करेगा। इसके तहत दो उपग्रहों – चेसर और टार्गेट – को अलग करने और उन्हें पुनः जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, ताकि भविष्य की परियोजनाओं के लिए प्रौद्योगिकियों में निपुणता प्राप्त की जा सके। इसरो ने पिछले साल 30 दिसंबर को 'स्पैडेक्स' मिशन की शुरुआत की थी। तब इसरो ने अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को आपस में जोड़ने (डॉकिंग) के प्रयोग को प्रदर्शित करने के लिए दो उपग्रहों – एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 को कक्षा में स्थापित किया था।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

साइबर क्राइम

झूठे संदेश वीडियो का,
सोशल मिडिया पर घमासान।
कन्फ्यूजन नफरत और घृणा,
भ्रम फैलाते इन पर बयान।
है इन साइबर अपराधों का,
आखिर बोलो क्या समाधान।
ऐसे कृत्यों पर आवश्यक,
है कड़ी सजा का प्रावधान।।

एआई युग में स्कूलों में तीसरी भाषा को लागू करना अनावश्यक है : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- उन्नत अनुवाद तकनीक पहले से ही भाषा संबंधी बाधाओं को तुरंत दूर कर देती है। छात्रों पर अतिरिक्त भाषाओं का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए।
- छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता हासिल करते हुए अपनी मातृभाषा और अंग्रेजी में निपुणता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि सच्ची प्रगति नवाचार में निहित है न कि भाषा थोपने में। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के युग में स्कूलों में किसी भी भाषा को तीसरी भाषा के रूप में थोपना अनावश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर केंद्र पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हिंदी की वकालत करने वाले भाजपा नेता जोर देकर कहते हैं, आपको उत्तर भारत में चाय, पानी पुरी खरीदने या शौचालय का उपयोग करने के लिए हिंदी आनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृत्रिम मेधा के युग में, स्कूलों में किसी भी भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाने पर बल देना अनावश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा, उन्नत अनुवाद तकनीक पहले से ही भाषा संबंधी बाधाओं को तुरंत दूर कर देती है। छात्रों पर अतिरिक्त भाषाओं का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। इसके बजाय, छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता हासिल करते हुए अपनी मातृभाषा और अंग्रेजी में निपुणता हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो वे बाद में कोई भी भाषा सीख सकते हैं। सच्ची प्रगति नवाचार में निहित है, भाषा थोपने में नहीं। तमिल जिंदाबाद, हिंदी थोपना बंद करो।

इससे पहले, द्रमुक सदस्यों को संबोधित एक पत्र में उन्होंने कहा था कि तमिलनाडु हिंदी और संस्कृत को तमिल पर हावी नहीं होने देगा। स्टालिन ने कहा कि द्रमुक राज्य और इसकी भाषा की रक्षा के संघर्ष में हमेशा आगे रहेगी। उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि हिंदी विरोधी आंदोलन के कारण ही 1939 में मद्रास प्रांत के तत्कालीन राज्यपाल ने हिंदी लागू करने का निर्णय वापस ले लिया था।

स्टालिन ने पत्र में कहा, हालांकि हमने पहली भाषा की लड़ाई जीत ली है, लेकिन युद्ध अब भी जारी है। यह सिर्फ भाषा थोपना नहीं है, बल्कि इस भूमि पर संस्कृत का प्रभाव बढ़ाने की साजिश के तहत तमिल संस्कृति पर आक्रमण है।

उत्तराखंड में हिमस्खलन, फंसे 57 मजूदरों में से 32 को बाहर निकाला गया

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के उंचाई वाले क्षेत्रों में हो रही भारी बर्फबारी के बीच चमोली जिले में बदरीनाथ के पास सीमांत माणा गांव में शुक्रवार सुबह हिमस्खलन होने से वहां फंसे सीमा सड़क संगठन के 57 मजदूरों में से 32 को सुरक्षित निकाल लिया गया है । आपदा प्रबंधन विभाग ने इसकी जानकारी दी। प्रदेश के आपदा प्रबंधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, शाम पांच बजे तक बदरीनाथ धाम से छह किलोमीटर आगे हिमस्खलन में फंसे 32 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है जबकि शेष बचे 25 अन्य को निकालने की कार्रवाई चल रही है।

परंपरा और विकास के जरिये हम एक विकसित देश के निर्माण की ओर अग्रसर

- कोई भी न्याय प्रणाली तभी सशक्त मानी जाएगी जब वह समावेशी हो। समाज के सभी वर्गों, खासकर कमजोर और वंचितों को न्याय उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय से निकलने वाले छात्रों का लक्ष्य होना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि अपराधियों में पकड़े जाने और सजा मिलने का डर तथा आम लोगों में न्याय मिलने का भरोसा सुशासन की पहचान है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी न्यायिक प्रणाली को तभी सशक्त माना जाएगा जब वह वास्तव में समावेशी हो। उन्होंने कहा कि 2024 में तीन नए आपराधिक कानूनों का लागू होना भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण था।

मुर्मू ने यहां राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के तीसरे दीक्षांत समारोह में कहा, ''अपराध पर नियंत्रण, अपराधियों में पकड़े जाने और सजा मिलने का डर तथा आम लोगों में न्याय मिलने का भरोसा, यही सुशासन की पहचान है। हमारे देश में न्याय पर आधारित सामाजिक व्यवस्था को सर्वोत्तम माना जाता है।''

इस मौके पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति ने एनएफएसयू से स्नातक करने वाले विद्यार्थियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी व्यक्ति वित्तीय कारणों से न्याय से वंचित न रहे। मुर्मू ने कहा, ''परंपरा और विकास के जरिये हम एक विकसित देश के निर्माण की ओर अग्रसर हैं। कोई भी न्याय प्रणाली तभी सशक्त मानी जाएगी जब वह समावेशी हो। समाज के सभी वर्गों, खासकर कमजोर और वंचितों को न्याय उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय से निकलने वाले छात्रों का लक्ष्य होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''आपको इस तरह काम करना चाहिए कि देश के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच हो सके और यह सुनिश्चित किया जाए कि वित्तीय कारणों से कोई भी न्याय से वंचित न रहे।'' राष्ट्रपति ने तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने के बारे में भी बात की।

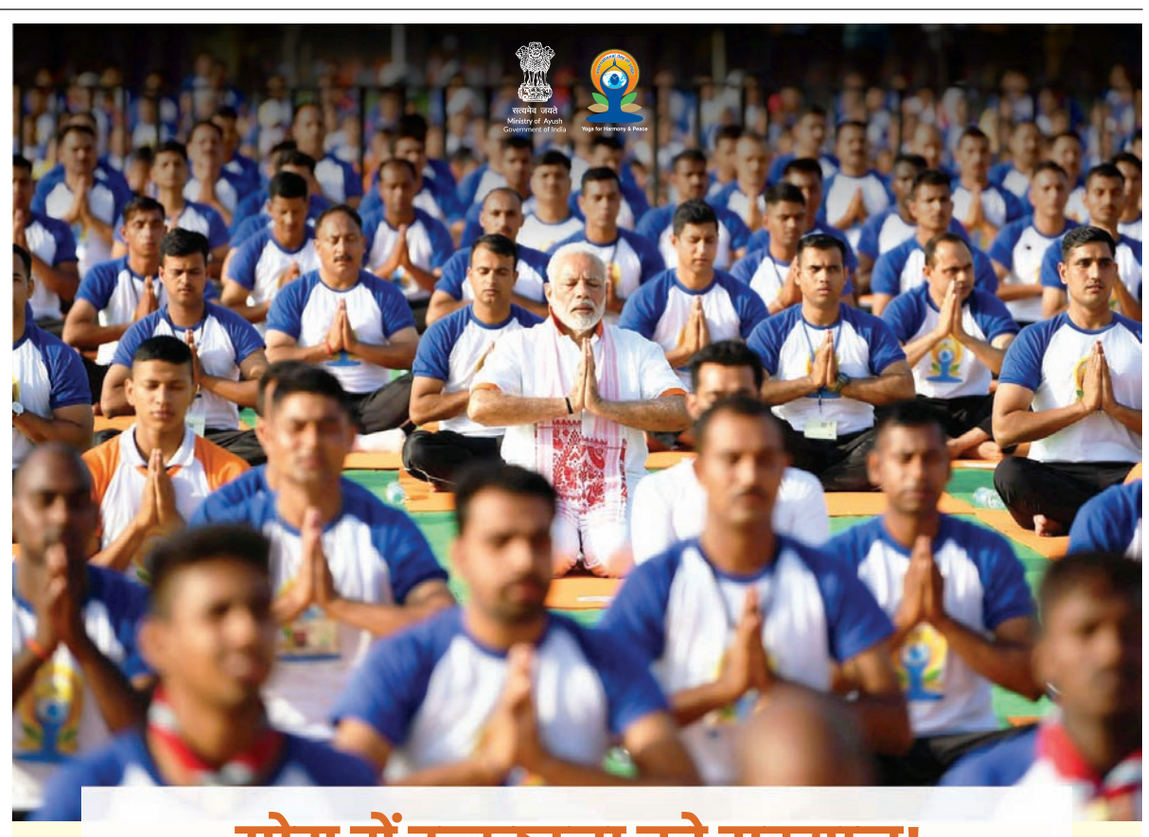

योग में उत्कृष्टता को सम्मान!

प्रधानमंत्री योग पुरस्कार 2025

योग साधकों के लिए एक सुनहरा अवसर

प्रधानमंत्री योग पुरस्कार, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग के विकास और प्रचार में योगदान देने वालों के लिए एक प्रतिष्ठित सम्मान है।

नामांकन खुले हैं!

कौन आवेदन कर सकते हैं?

- योग के क्षेत्र में कम से कम 20 वर्षों की समर्पित सेवा वाले व्यक्ति
- योग की गहरी समझ रखने वाले, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्ति
- योग साधना की भावना को बढ़ावा देने में स्थायी प्रभाव डालने वाले संगठन

कहां आवेदन करें?

निम्नलिखित लिंक पर जाएँ:
https://innovateindia.mygov.in/pm-yoga-awards-2025/

या QR कोड स्कैन करें

आवेदन करने की अंतिम तिथि
31 मार्च 2025

आज ही नामांकन भरें और उन लोगों का सम्मान करें जो योग के माध्यम से दुनिया को प्रेरित करते हैं

योग ऐप डाउनलोड करें | वेबसाइट www.ayush.gov.in | आयुष मंत्रालय को फॉलो करें

cbc 17201/13/0026/2425

स्वाहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाराष्ट्र के रायगड जिले में अलीबाग तट के पास शुक्रवार सुबह मछली पकड़ने वाली एक नाव में आग लगने के बाद 18 मछुआरों को बचाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने अलग से बताया कि आग से झुलसे 14 मछुआरों का उपचार किया गया।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की मदद करने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई करे दिल्ली पुलिस : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को भारत में प्रवेश कराने में मदद करने वाले नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। शाह ने राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले पुलिस थानों और उप-संभागों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

शाह ने कहा कि शहर में अंतरराज्यीय गिरोहों को सख्ती से खत्म करना दिल्ली पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के मामलों में ''ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक'' कार्रवाई की जानी चाहिए और ऐसे मादक पदार्थ तंत्र को खत्म किया जाना चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने बैठक में कहा, ''बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को देश में प्रवेश कराने, उनके दस्तावेज बनवाने और यहां रहने में मदद करने वाले पूरे नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। घुसपैठियों का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। उनकी पहचान की जानी चाहिए और उन्हें निर्वासित किया जाना चाहिए।'' इस बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

शहर के विकास में बाधा डालने के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री ने आम आदमी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी (आप) की पूर्ववर्ती सरकार पर केंद्र के साथ सहयोग नहीं करके शहर के विकास में बाधा डालने का शुक्रवार को आरोप लगाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा और बुनियादी ढांचे की चुनौतियों समेत प्रमुख मुद्दों के समाधान के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करेगी। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में कानून-व्यवस्था को लेकर आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में शामिल होने के बाद ये टिप्पणियां कीं। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक में राष्ट्रीय राजधानी में अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और शासन संबंधी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

गुप्ता ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, ''चर्चा काफी सार्थक रही। इससे पहले केंद्र के साथ पिछली सरकार के असहयोग के कारण दिल्ली में कोई प्रगति नहीं हो पाई थी। जब भी भारत सरकार ने बड़ी समस्या पैदा करने वाले छोटे-छोटे मुद्दों पर विस्तृत जानकारी मांगी, तो 'आप' सरकार ने कभी सहयोग नहीं किया।'' उन्होंने कहा कि बैठक में यातायात जाम, जलभराव और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अभियोजन पक्ष की भूमिका समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा, ''महिला सुरक्षा पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई, जल्द ही सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नीतियां बनाई जाएंगी।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से संबंधित समाधान और दिल्ली में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय गिरोहों से उत्पन्न खतरे पर भी चर्चा की गई।'' गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि ''डबल इंजन सरकार'' अब सुचारू शासन और विकास सुनिश्चित करेगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जबरदस्त जीत हासिल की और 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की। पार्टी ने 70 में से 48 सीट हासिल कीं, जिससे 'आप' 22 सीट पर सिमट गई।

आतिशी ने निलंबन को 'लोकतंत्र पर प्रहार' बताया, अध्यक्ष ने कार्रवाई को नियम आधारित बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा में विपक्षी आम आदमी पार्टी (आप) के 21 विधायकों के निलंबन के बाद राजनीतिक टकराव शुरू हो गया और नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने इसे 'जनता के जनादेश का अपमान' और लोकतंत्र पर प्रहार' बताया, इसके जवाब में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने संसदीय नियमों और पिछले व्यवधानों का हवाला देते हुए इस कदम को सही ठहराया।

उपराज्यपाल वी के सक्सेना के उद्घाटन अभिभाषण में कथित रूप से बाधा डालने के लिए आतिशी समेत 21 आप विधायकों को 25 फरवरी को तीन दिन के लिए निलंबित कर दिया गया था।

आप सदस्यों ने विधानसभा में मुख्यमंत्री कार्यालय से बी आर आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें कथित रूप से हटाए जाने के विरोध में नारे लगाए थे। विधानसभा अध्यक्ष ने बहुमत के आधार पर उन्हें निलंबित करने का आदेश दिया और मार्शल को उन्हें सदन से बाहर निकालने के लिए कहा। विवाद तब और बढ़ गया जब आतिशी समेत निलंबित आप विधायकों को बृहस्तपिवार को महात्मा गांधी की प्रतिमा पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने के लिए विधानसभा परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया। विपक्षी नेता ने तर्क दिया कि इस तरह के प्रतिबंध अभूतपूर्व हैं और लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लंघन करते हैं।

निलंबन की निंदा करते हुए आतिशी ने आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज को जानबूझकर दबाया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में आतिशी ने दिल्ली विधानसभा में हुई घटनाओं पर चिंता व्यक्त की, जहां उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दल के विधायकों को उनके विरोध प्रदर्शन के लिए भेदभावपूर्ण व्यवहार का सामना करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि आप विधायकों को उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना के अभिभाषण के दौरान ''जय भीम'' के नारे लगाने के बाद निलंबित कर दिया गया, जबकि ''मोदी-मोदी'' का नारा लगाने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

आतिशी के दावों के जवाब में विधानसभा अध्यक्ष ने पक्षपात के आरोपों को खारिज कर दिया और विपक्ष पर सदन की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने निलंबित विधायकों को परिसर में जाने से रोकने के फैसले का बचाव करते हुए विधानसभा नियम 277 का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि ''सदन की सेवा से निलंबित किए गए सदस्य को सदन के परिसर में प्रवेश करने और सदन और समितियों की कार्यवाही में भाग लेने से रोक दिया जाएगा।''

मुंबई में बहुमंजिला इमारत में लगी आग, 50 लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

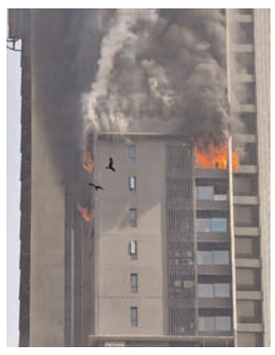

मुंबई/भाषा। दक्षिण मुंबई के भायखला इलाके में शुक्रवार सुबह 57 मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने के बाद ऊपरी मंजिलों पर फंसे 50 से अधिक लोगों को बचाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बाबासाहेब आंबेडकर रोड पर स्थित 'सालेट 27' की दोनों इमारतों में से एक के आवासीय परिसर में पूर्वाह्न करीब 10.45 बजे आग लग गयी। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग, बेस्ट, पुलिस, 108 एम्बुलेंस सेवा और अन्य एजेंसियों की टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है। उन्होंने बताया कि ढाई घंटे से अधिक की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने अपराह्न करीब 1.10 बजे बहुमंजिला इमारत की 42वीं मंजिल पर लगी आग पर काबू पा लिया। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने इमारत के सुरक्षा गार्डों की मदद से इमारत की ऊपरी मंजिलों पर फंसे 50 से 60 लोगों को भी बचाया। आग प्रभावित मंजिल पर 2,500 वर्ग फुट के कमरे में बिजली के तारों, फर्नीचर और अन्य सामग्रियों तक ही सीमित थी। उन्होंने कहा कि इमारत की अग्निशमन प्रणाली चालू थी और इससे समय रहते आग पर काबू पाने में मदद मिली।

एनआईए ने श्रीलंकाई नागरिकों की भारत में तस्करी करने के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कनाडा में रोजगार का झूठा वादा करके तमिलनाडु और कर्नाटक के रास्ते श्रीलंकाई नागरिकों को भारत में अवैध तरीके से दाखिल कराने के मामले में संलिप्त एक प्रमुख आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया।

जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक मो. इब्राहिम को एनआईए ने तमिलनाडु पुलिस के साथ मिलकर शुक्रवार को चेन्नई से गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी था। संघीय एजेंसी ने बताया कि 13 जुलाई, 2021 को उसने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी और इब्राहिम प्रकरण में गिरफ्तार होने वाला नौवां आरोपी है। उसने बताया कि इब्राहिम और एक अन्य भगोड़े आरोपी इमरान हज्यार सहित कुल दस आरोपियों के खिलाफ अब तक संघीय एजेंसी ने आरोप पत्र दायर किया है। एनआईए द्वारा जारी बयान के मुताबिक जांच में खुलासा हुआ कि इब्राहिम ने तुत्तुक्कुडी के समुद्र तटीय क्षेत्र मंडपम से श्रीलंकाई नागरिकों के दो समूहों की तस्करी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बयान के मुताबिक उसने पीड़ितों को वाहनों और रेलगाड़ियों के माध्यम से कर्नाटक के विभिन्न स्थानों पर पहुंचाया था।

लातूर में तीन हजार से अधिक बांग्लादेशियों ने फर्जी तरीके से जन्म प्रमाण पत्र हासिल किए : सोमैया

लातूर (महाराष्ट्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया ने शुक्रवार को दावा किया कि लातूर में 3,056 बांग्लादेशियों को फर्जी तरीके से जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

लोकसभा के पूर्व सदस्य ने जिलाधिकारी से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जिला प्रशासन ने जांच कराने का आश्वासन दिया है।

सोमैया ने दावा किया, ''फर्जी दस्तावेज जमा करने के बाद महाराष्ट्र में 1.23 लाख से अधिक बांग्लादेशियों ने जन्म प्रमाण पत्र हासिल कर लिए हैं। लातूर में, तहसील कार्यालय में सिर्फ आधार कार्ड जमा करके बांग्लादेश के 3,421 लोगों ने जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था, जिनमें से 3,056 लोगों को जन्म प्रमाण पत्र मिल गए।''

उम्मीद है कि महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनाव जल्द होंगे : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि स्थानीय निकायों में जनप्रतिनिधियों की कमी को लेकर वह चिंतित हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि नगर निकाय चुनाव जल्द से जल्द होंगे।

फडणवीस ने कहा कि केवल उच्चतम न्यायालय ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि चुनाव हों। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय से दो दिन में ''अंतिम फैसला'' आने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने यहां 'मुंबई टेक वीक' में कहा, ''हम चाहते हैं कि यह बहुत जल्दी हो। हमें लगता है कि हम अपने स्थानीय निकायों को स्थानीय प्रतिनिधियों से वंचित नहीं कर सकते। हम इस बात को लेकर पूरी तरह चिंतित हैं।'' पिछले दो वर्षों से अधिक समय से राज्य के कई स्थानीय निकाय, जिनमें मुंबई नगर निकाय भी शामिल है, जनप्रतिनिधि विहीन हैं और नौकरशाह पूरे तंत्र को चला रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय नगर निकाय चुनाव कराये जाने के अनुरोध संबंधी एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है।

फडणवीस ने कहा कि राज्य में साइबर अपराध के मामले बढ़ने की आशंका के मद्देनजर सरकार ने साइबर अपराध पर एक अलग निगम बनाया है और नवी मुंबई में साइबर अपराध मुख्यालय स्थापित करने के लिए काम कर रहा है।

'स्टार्टअप इंडिया' के हालिया आंकड़ों का हवाला देते हुए फडणवीस ने कहा कि संस्थाओं की संख्या और उनके द्वारा जुटाई गई पूंजी दोनों के संदर्भ में महाराष्ट्र 'स्टार्टअप' की राजधानी है। उन्होंने कहा कि 30 प्रतिशत स्टार्टअप प्रौद्योगिकी आधारित हैं।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से तनाव से बेहतर तरीके से निपटने के लिए कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि 2014 में जब उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब की तुलना में अब वह तनाव से बेहतर तरीके से निपट रहे हैं।

फडणवीस ने कहा कि वह लोगों को योग करने की सलाह नहीं देंगे क्योंकि वह स्वयं ऐसा नहीं करते हैं लेकिन उन्होंने इसके कुछ लाभों के बारे में सुना है।

उत्तराखंड में वनारोपण की धनराशि आई फोन, लैपटॉप, फ्रिज, कूलर पर खर्च की गयी : कैग

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड में प्रतिकरात्मक वनारोपण प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (यूकैंपा) के तहत मिली धनराशि को वन अधिकारियों ने व्यक्तिगत यात्राओं, आईफोन, लैपटॉप, फ्रिज, कूलर आदि की खरीद जैसे 'अस्वीकार्य क्रियाकलापों' पर खर्च कर दिया ।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की हाल में राज्य विधानसभा सत्र में कैंपा की कार्यप्रणाली पर 2019ड्ड2 की अवधि के लिए पेश एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 13.86 करोड़ रू वन प्रभाग स्तर पर राज्य योजना हरेला, टाइगर सफारी कार्य, भवनों के नवीनीकरण, व्यक्तिगत यात्राओं, न्यायालयों के वाद प्रकरणों, आई फोन, लैपटॉप, फ्रिज, कूलर, स्टेशनरी आदि की खरीद के लिए खर्च कर दिया गया ।

कैग रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा, कैंपा निधि का विचलन कर उसका उपयोग अन्य कामों के लिए किए जाने के भी अनेक प्रकरण सामने आए ।

मूल्य वर्धित कर,अधिभार, बिक्री कर आदि के भुगतान के लिए 56.97 लाख रू जापान इंटरनेशनल कोआपरेशन एजेंसी (जायका) परियोजना में 'विचलित कर दी गयी ।' इसी प्रकार, वन प्रभागीय अधिकारी अल्मोड़ा को कार्यालय परिसर में सौर बाड़ लगाने के लिए 13.51 लाख रू आवंटित कर दिए गए ।

ठाणे में 'पॉड टैक्सी' प्रणाली का परीक्षण के आधार पर संचालन किया जाएगा : मंत्री सरनाईक

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने शुक्रवार को कहा कि यातायात भीड़ को कम करने के प्रयासों के तहत ठाणे में घोड़बंदर रोड पर भयंदर पाड़ा मेट्रो स्टेशन और विहंग हिल्स सर्कल के बीच एक स्वचालित 'पॉड टैक्सी' प्रणाली का परीक्षण के आधार पर संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ठाणे में वाहनों की बढ़ती संख्या और सड़क पर उपलब्ध सीमित स्थान ने पॉड टैक्सी और रोपवे जैसे वैकल्पिक समाधानों की खोज करना अनिवार्य बना दिया है।

पॉड टैक्सी को 'पर्सनल रैपिड ट्रांजिट' भी कहा जाता है जो चालक रहित इलेक्ट्रिक वाहन है। पॉड टैक्सी यात्रियों को अधिक गति से गंतव्य तक ले जाती है। सरनाईक ने हाल ही में गुजरात के वडोदरा में 'पॉड टैक्सी' परियोजना स्थल का दौरा किया था। सरनाईक ने कहा, ''यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के दृष्टिकोण से मेल खाती है, जो आधुनिक शहरी परिवहन समाधान की वकालत करते रहे हैं।'' मुंबई में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के लिए स्वचालित पॉड टैक्सियों के लिए एक पायलट परियोजना को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है।

शिंदे का उद्धव ठाकरे पर पलटवार, कहा- उनके पाप धोने के लिए कुंभ गया था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने उन लोगों के पाप धोने के लिए महाकुंभ में डुबकी लगायी जिन्होंने शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की विचारधारा को त्याग कर लोगों के साथ विश्वासघात किया। शिंदे ने यह टिप्पणी परोक्ष तौर पर शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए की।

शिंदे का यह बयान ऐसे समय आया है जब उद्धव ठाकरे ने एक दिन पहले यह कहते हुए शिंदे पर निशाना साधा था कि गंगा में डुबकी लगाने से महाराष्ट्र के साथ विश्वासघात का पाप नहीं धुल जाएगा। शिंदे ने यह भी कहा कि पुणे के स्वारगेट बस अड्डे पर हुई बलात्कार की घटना के आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। संत रविदास महाराज जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''कुंभ मेले में 65 करोड़ श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और गंगा, यमुना और सरस्वती के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगायी। मैं उन लोगों के बारे में क्या कह सकता हूं जिनका प्रयागराज और महाकुंभ से कोई लेना-देना नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''उद्धव ठाकरे कहते हैं कि मैं अपने पाप धोने के लिए कुंभ गया था। लेकिन मैं वहां आध्यात्मिक आस्था से और बालासाहेब ठाकरे, शिवसेना और उसकी विरासत की विचारधारा त्यागकर विश्वासघात करने के उनके पाप धोने गया था। उन्होंने बालासाहेब के दृष्टिकोण को त्याग दिया और शिवसैनिकों के साथ दुर्व्यवहार किया।'' उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, ''मैं उनके पाप धोने के लिए वहां गया था, लेकिन वे अपने पाप छिपाने के लिए लंदन जाते हैं...वे अब महाकुंभ को भी बदनाम कर रहे हैं।

व्यापार युद्ध की आशंका से बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 1,414 अंक लुढ़का

मुंबई/भाषा। चीन के उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की अमेरिका की घोषणा से शुक्रवार को दुनिया भर के बाजारों में बड़ी गिरावट देखी गई। इसके दबाव में घरेलू शेयर बाजार का मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,414 और निफ्टी 420 अंक टूट गया। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने और डॉलर के मुकाबले रुपए में कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। व्यापक बिकवाली के बीच बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 1,414.33 अंक यानी 1.90 प्रतिशत गिरकर 73,198.10 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,471.16 अंक गिरकर 73,141.27 पर आ गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी लगातार आठवें दिन गिरावट को जारी रखते हुए 420.35 अंक यानी 1.86 प्रतिशत फिसलकर 22,124.70 पर बंद हुआ। इस भारी गिरावट से बीएसई सेंसेक्स पिछले साल 27 सितंबर को हासिल 85,978.25 के अपने रिकॉर्ड शिखर से अब तक 12,780.15 अंक यानी 14.86 प्रतिशत नीचे आ चुका है। वहीं एनएसई निफ्टी 27 सितंबर, 2024 को 26,277.35 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर से अब तक कुल 4,152.65 अंक यानी 15.80 प्रतिशत टूट चुका है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से टेक महिंद्रा में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई जबकि इंडसइंड बैंक पांच प्रतिशत से अधिक नीचे रहा। इनके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, इंफोसिस, टाटा मोटर्स, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, नेस्ले और मारुति भी प्रमुख रूप से पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल रहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME

I, PURAN SINGH, No. 1362368F, Rank HAV, S/o Mahabir Singh residing at Flat No 2B, 2nd Floor, Navodaya Apartment, 2nd Cross, Ganganagar, Bengaluru 32 have changed my name from **PURAN SINGH** to **PURAN SINGH RAWAT** (DOB 23.2.1979) vide Affidavit Dated 24.02.2025 in front of Advocate and Notary Sivakumara M.N. In future all occasion what so ever be known as only **PURAN SINGH RAWAT.**

जम्मू-कश्मीर : पीओके स्थित हिज्बुल के पांच आतंकियों की रामबन में संपत्ति जब्त

बनिहाल/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के पांच आतंकियों की रामबन जिले के गूल इलाके में अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा कि संगलदान के सराज दीन (48), दलवाह के रेयाज अहमद (45), बंज भीमदस्सा के फारूक अहमद (46), मोइला के मोहम्मद अशरफ (50) और मुश्ताक अहमद (47) पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चले गए हैं और वहां से काम कर रहे हैं। प्रवक्ता के अनुसार, ये आतंकी अपनी संपत्तियों को बेचकर आतंकवाद के लिए धन जुटाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा, गूल क्षेत्र के इन पांच आतंकियों की अचल संपत्तियों की जब्ती आतंकवादी वित्तपोषण नेटवर्क को ध्वस्त करने और क्षेत्र में आतंकवाद की वापसी को रोकने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इससे यह सख्त संदेश जाता है कि पीओके में बैठे आतंकी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को फिर से बढ़ावा नहीं दे सकते।

भारत को 2047 तक उच्च आय वाला देश बनने के लिए 7.8 प्रतिशत वृद्धि की जरूरत : विश्व बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत को वर्ष 2047 तक उच्च आय वाला देश बनने के लिए औसतन 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि करनी होगी। विश्व बैंक की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

विश्व बैंक ने 'एक पीढ़ी में उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था बनना' शीर्षक से जारी अपने भारत देश ज्ञापन में कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को वित्तीय क्षेत्र के साथ भूमि एवं श्रम बाजारों में भी सुधार करने होंगे। वर्ष 2000 से 2024 के बीच भारत की औसत वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने को मान्यता देते हुए यह रिपोर्ट कहती है कि भारत की पिछली उपलब्धियां उसकी भविष्य की महत्वाकांक्षाओं के लिए आधार प्रदान करती हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट कहती है, हालांकि 2047 तक उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंचना सामान्य स्थिति में संभव नहीं होगा... इसके लिए भारत की प्रति व्यक्ति जीएनआई (सकल राष्ट्रीय आय) को वर्तमान स्तरों से लगभग आठ गुना बढ़ाना होगा, वृद्धि को और तेज करना होगा और अगले दो दशकों तक ऊंचे स्तर पर बने रहना होगा। इस मुकाम को कुछ ही देश हासिल कर पाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, कम अनुकूल बाह्य वातावरण को देखते हुए, भारत को न केवल चल रही पहलों को जारी रखना होगा, बल्कि वास्तव में सुधारों का विस्तार और उनकी तीव्रता भी बढ़ानी होगी। हाल के वर्षों में, भारत ने देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलने, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने, मानव पूंजी में सुधार करने और डिजिटलीकरण का लाभ उठाने के लिए कई संरचनात्मक सुधार शुरू किए हैं। इसके साथ ही व्यापक आर्थिक स्थिरता को भी बढ़ावा दिया गया है।

बेंगलूरु से भाजपा विधायकों, सांसदों ने सिद्दरामय्या से मुलाकात की; बजट में आवंटन बढ़ाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर से भाजपा विधायकों और सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात की और शहर के विकास के लिए राज्य के आगामी बजट में अधिक धनराशि आवंटित करने की मांग की।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने शहर के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 150 करोड़ रुपये के आवंटन की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मेट्रो किराये में वृद्धि पर पुनर्विचार करने, पहली बार के विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए धन का आवंटन तथा बृहद बेंगलूरु महानगरपालिका (बीबीएमपी) का चुनाव शीघ्र कराने का आग्रह किया।

सिद्दरामय्या के पास वित्त विभाग भी है। वह सात मार्च को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करने वाले हैं। यह उनका 16वां बजट होगा। विजयेंद्र

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा मुख्यमंत्री को शॉल ओढाकर सम्मान करते हुए।

ने कहा, बेंगलूरु से हमारे सभी विधायकों, सांसदों, विधानपरिषद सदस्यों और जिला अध्यक्षों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की तथा अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास के लिए बजट में और धनराशि आवंटित किये जाने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि मुलाकात के बाद, यहां संवाददाताओं से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के बी एस येडीयुरप्पा और बसवराज बोम्मई के मुख्यमंत्री रहने के दौरान बेंगलूरु के विकास के लिए बीबीएमपी को प्रत्येक बजट में 6,000 से 8,000 करोड़ रुपये आवंटित किये गए थे। उन्होंने कहा, बेंगलूरु के लिए पिछले दो बजट में इस तरह का कोई आवंटन नहीं किया गया, इसलिए हम आगामी बजट में बेंगलूरु शहर के लिए 6,000 से 8,000 करोड़ रुपये आवंटित करने का अनुरोध करते हैं। प्रदेश भाजपा प्रमुख ने कहा कि फ्लाईओवर और अन्य परियोजनाएं धीमी गति से आगे बढ़ रही हैं, ऐसे में उन्हें और धन राशि आवंटित कर इन परियोजनाओं को पूरा करने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

विजयेंद्र ने बताया कि सिद्दरामय्या के साथ बैठक के दौरान बेंगलूरु से सांसद पी सी मोहन और तेजस्वी सूर्या ने सुझाव दिया कि मुख्यमंत्री हाल ही में बढ़ाए गए मेट्रो किराये को कम करने के लिए किराया निर्धारण समिति को आवश्यक निर्देश दें। विजयेंद्र ने एक सवाल के जवाब में कहा कि पार्टी बीबीएमपी को कई नगर निकायों के रूप में विभाजित करने के प्रस्ताव पर चर्चा करेगी।

उन्होंने कहा, वृहद बेंगलूरु प्राधिकरण के गठन का हवाला देकर बीबीएमपी चुनाव स्थगित नहीं किया जाना चाहिए। पिछले साल जुलाई में वृहद बेंगलूरु शासन विधेयक को शिवाजीनगर से कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद की अध्यक्षता वाली संयुक्त प्रवर समिति को भेजा गया था। समिति ने सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार, आईटी शहर को कई नगर निगमों में विभाजित किया जा सकता है, जो बीबीएमपी का स्थान लेंगे।

अदालत ने येडीयुरप्पा के खिलाफ आरोपपत्र पर नये सिरे से संज्ञान लिया

समन जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बीएस येडीयुरप्पा और तीन अन्य आरोपियों को पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले के संबंध में 15 मार्च को पेश होने के लिए समन जारी किया। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों पर विचार करने वाली अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा (82 वर्ष) के खिलाफ कर्नाटक के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा दायर आरोपपत्र पर नए सिरे से संज्ञान लिया। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सात फरवरी को विशेष अदालत को मामले में सीआईडी द्वारा की अंतिम रिपोर्ट पर नए सिरे से विचार करने और उचित आदेश पारित करने का निर्देश दिया था।

उच्च न्यायालय ने येडीयुरप्पा द्वारा उनके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए यह आदेश जारी किया था और उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को निचली अदालत को वापस भेज दिया था। इसने उन्हें अग्रिम जमानत भी दे दी थी। यह मामला पिछले साल 14 मार्च को 17 वर्षीय एक लड़की की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। महिला ने आरोप लगाया था कि येडीयुरप्पा ने दो फरवरी को यहां डॉलर्स कॉलोनी में अपने आवास पर एक बैठक के दौरान उसकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया था।

सीआईडी ने 27 जून को 'फास्ट ट्रैक' अदालत में एक आरोपपत्र दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि येडीयुरप्पा और तीन अन्य आरोपियों ने शिकायतकर्ता और उसकी नाबालिग बेटी को चुप रहने के लिए पैसे दिये थे। आरोपपत्र में पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 (यौन उत्पीड़न के लिए दंड), धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न), धारा 204 (साक्ष्य के रूप में पेश करने से रोकने के लिए दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को नष्ट करना) और भारतीय दंड संहिता की धारा 214 (अपराधी की जांच के बदले में उपहार या संपत्ति की बहाली की पेशकश) को लगाया गया है।

अन्य तीन आरोपी (अरुण वाई एम, रुद्रेश एम और जी मारिस्वामी) येडीयुरप्पा के सहयोगी हैं और उनपर भारतीय दंड संहिता की धारा 204 और 214 के तहत आरोप लगाए गए हैं। पिछले साल मई में 54 वर्षीय शिकायतकर्ता की फेफड़ों के कैंसर के कारण यहां एक निजी अस्पताल में मौत हो गई थी।

बेलगावी में बस परिचालक पर हमले के खिलाफ

कन्नड़ संगठन ने 22 मार्च को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के 'कन्नड़ ओक्कुटा' (कई कन्नड़ संगठनों का समूह) ने महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी में हाल ही में एक यात्री से मराठी भाषा में बात न करने पर सरकारी बस के एक परिचालक पर किए गए हमले की शुक्रवार को निंदा करते हुए इस घटना के खिलाफ 22 मार्च को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है। 'कन्नड़ कार्यकर्ता' और 'कन्नड़ ओक्कुटा' के नेता वाट्टल नागराज ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और विभिन्न संघों से बंद को समर्थन देने का आग्रह किया। वाट्टल नागराज ने कहा, ''22 मार्च को सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक पूरे कर्नाटक में बंद रहेगा... कौन बंद का समर्थन करेगा या नहीं, यह बाद में देखेंगे। यह बंद कर्नाटक, कन्नड़ और यहां के लोगों के लिए है। यह कन्नड़ और कर्नाटक के गौरव के लिए है।''

नागराज ने ओक्कुटा की बैठक के बाद यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सभी संगठनों और नेताओं से बंद में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री और सरकार से बंद का समर्थन करने की भी अपील की। इसके अलावा नागराज ने परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी से 22 मार्च को सभी सरकारी बस सेवाएं निलंबित करने का भी अनुरोध किया।उन्होंने होटल मालिक संघ और फिल्म जगत से भी एक दिन के बंद का समर्थन करने का आह्वान किया। नागराज के अनुसार, कई मॉल ने पहले ही बंद का समर्थन कर दिया है। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों और मजदूर संघों, किसानों, ट्रक मालिकों, टैक्सियों, निजी स्कूलों के संगठनों से भी समर्थन देने की अपील की है। 'कन्नड़ ओक्कुटा' ने इस बंद के तहत तीन मार्च को पूर्वाह्न 11.30 बजे से राजभवन का घेराव करने की योजना बनाई है, जिसमें वे 'बेलगावी को बचाने' के लिए कार्रवाई की मांग करेंगे। वहीं, बेलगावी में सात मार्च को 'बेलगावी चलो' नाम से जुलूस निकाला जाएगा। नागराज ने बताया कि 'कन्नड़ ओक्कुटा' कावेरी नदी पर मेकेदातु परियोजना के कार्यान्वयन की मांग करेगा तथा तमिलनाडु की सीमा से लगे अत्तीबेले में भी 11 मार्च को बंद का आह्वान करेगा।

उन्होंने बताया कि मंड्या, मैसूर, रामनगर में उपायुक्त कार्यालयों के सामने 14 मार्च को प्रदर्शन किया जाएगा। नागराज ने बताया कि यहां होसकोटे के पास ओल्ड मद्रास रोड पर यातायात रोककर 16 मार्च को प्रदर्शन किया जाएगा और 18 मार्च को सभी कन्नड़ समर्थक संगठन बेंगलूरु में एक बैठक करेंगे।

महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी जिला मुख्यालय शहर के बाहरी इलाके में 21 फरवरी को कर्नाटक परिवहन निगम की बस के एक परिचालक पर कुछ यात्रियों ने इसलिए हमला कर दिया गया, क्योंकि उसने एक यात्री को मराठी में जवाब नहीं दिया था। यह घटना उस दौरान हुई थी जब बस बेलगावी शहर से बालेकुंडरी की ओर जा रही थी। उक्त घटना के बाद कर्नाटक और महाराष्ट्र के मध्य बेलगावी को लेकर सीमा विवाद बढ़ गया, जिसके बाद दोनों राज्यों के बीच बस सेवाएं भी निलंबित कर दी गईं।

केनरा बैंक ने विधान सौधा में 168वीं एसएलबीसी बैठक का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 168वीं एसएलबीसी संयोजक केनरा बैंक की बैठक गुरुवार को विधान सौधा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कर्नाटक की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त उमा महादेवन ने की। सह-अध्यक्षता केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक भावेन्द्र कुमार द्वारा की गई। इनके अलावा, कर्नाटक वित्त विभाग (राजकोषीय सुधार) सचिव डॉ. बैठक में विशाल आर, भारतीय रिजर्व बैंक के उप महाप्रबंधक वी हरिप्रसाद, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक केवीएसएसएलवी प्रसाद राव, एसएलबीसी कर्नाटक के संयोजक और केनरा बैंक के महाप्रबंधक एम भास्कर चक्रवर्ती, सभी बैंकों के राज्य नियंत्रक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उमा महादेवन ने सभी संबंधित विभागों और बैंकरों को पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई योजनाओं के तहत सार्वभौमिक कवरेज सुनिश्चित करने की सलाह दी। इसके अलावा, उन्होंने राज्य में एनआरएलएम स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए ऋण लिंकेज के महत्व पर बल दिया। उन्होंने तीसरी तिमाही के दौरान 80.00 प्रतिशत का सीडी अनुपात हासिल करने के लिए बैंकर्स की सराहना की तथा 'मुद्रा' अनुमोदन और संवितरण में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए बैंकर्स को बधाई दी।इसके अलावा उमा महादेवन ने यह भी बताया कि 31 दिसंबर 2024 तक कृषि क्षेत्र के अंतर्गत 1,92,201 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 1,49,299 करोड़ रुपये हासिल किए गए और तीसरी तिमाही में आवंटित लक्ष्य का 78 प्रतिशत हासिल किया गया। एमएसएमई के अंतर्गत बैंकों ने 77 प्रतिशत तथा कुल प्राथमिकता क्षेत्र ने 76 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बैंकर्स से आग्रह किया कि वे वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सभी मापदंडों के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने और ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिए आईआईबीएफ प्रशिक्षित महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों को बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) के रूप में तैनात करें।

केंद्र ने महादयी जल विवाद न्यायाधिकरण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समय सीमा बढ़ाई

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्र ने महादयी जल विवाद न्यायाधिकरण को अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय सीमा बढ़ा दी है और अपने निष्कर्षों को पूरा करने के वास्ते अतिरिक्त छह महीने का समय दिया है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। महादयी नदी विवाद में गोवा, कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्य शामिल हैं, जो नदी के जल बंटवारे को लेकर दशकों से असहमत हैं।

महादयी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन मूल रूप से 16 नवंबर, 2010 को अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956 के तहत महादयी नदी और इसकी नदी घाटी से संबंधित विवादों का निपटारा करने के लिए किया गया था। न्यायाधिकरण को शुरू में तीन साल के भीतर, 15 नवंबर 2013 तक अपनी रिपोर्ट और निर्णय प्रस्तुत करना था। न्यायाधिकरण ने हालांकि 21 अगस्त, 2013 को अपने कामकाज की प्रभावी तिथि का हवाला देते हुए समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसे बाद में केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी।

आमंत्रण

शुक्रवार को कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू.टी.खादर और कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज एस. होर्राट्टी ने राजभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की और उन्हें 3 मार्च को संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया।

सड़क दुर्घटना में आटो चालक व सवार की दर्दनाक मौत

बेंगलूरु। बनशंकरी ट्रैफिक पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत शुक्रवार दोपहर में हुए एक सड़क हादसे में ऑटो चालक सहित आटो यात्री की दर्दनाक मौत हो गई। बनशंकरी ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर में गिरिनगर के सीतासर्कल, बनशंकरी रोड पर एक बीएमटीसी बस जा रही थी, जिसने अचानक ब्रैक लगाया। अचानक ब्रैक लगाने के कारण पीछे से आने वाला ऑटो बस से भिड़ गया, वही आटो के पीछे एक और बस आ रही थी जिसने भी पीछे से ऑटो को जोर से टक्कर मारी और ऑटो दोनों बस की बीच में आ गया। दोनों ओर से टक्कर इतनी जोर की थी कि ऑटो में सवार एक वरिष्ठ नागरिक विष्णु व ऑटो ड्राइवर अनिलकुमार (50) दोनों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

एनआईए ने श्रीलंकाई नागरिकों की भारत में तस्करी करने के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कनाडा में रोजगार का झूठा वादा करके तमिलनाडु और कर्नाटक के रास्ते श्रीलंकाई नागरिकों को भारत में अवैध तरीके से दाखिल कराने के मामले में संलिप्त एक प्रमुख आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक मोहम्मद इब्राहिम को एनआईए ने तमिलनाडु पुलिस के साथ मिलकर शुक्रवार को चेन्नई से गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी था।

संघीय एजेंसी ने बताया कि 13 जुलाई, 2021 को उसने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी और इब्राहिम प्रकरण में गिरफ्तार होने वाला नौवां आरोपी है। उसने बताया कि इब्राहिम और एक अन्य भगोड़े आरोपी इमरान हज्यार सहित कुल दस आरोपियों के खिलाफ अब तक संघीय एजेंसी ने आरोप पत्र दायर किया है। एनआईए द्वारा जारी बयान के मुताबिक जांच में खुलासा हुआ कि इब्राहिम ने तुतुक्कुडी के समुद्र तटीय क्षेत्र मंडपम से श्रीलंकाई नागरिकों के दो समूहों की तस्करी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बयान के मुताबिक उसने पीड़ितों को वाहनों और रेलगाड़ियों के माध्यम से कर्नाटक के विभिन्न स्थानों पर पहुंचाया था।

एनआईए ने बताया कि मानव तस्करी गिरोह की कार्यप्रणाली पीड़ितों को समुद्र के बीच से लाने और उन्हें समूहों में छोटी नौकाओं के जरिये भूमि मार्ग से प्रतिबंधित क्षेत्रों तक पहुंचाने की थी। एनआईए के बयान के मुताबिक यह मामला मूल रूप से कर्नाटक पुलिस द्वारा विश्वसनीय सूचना के आधार पर मंगलूरु स्थित कई गेस्ट हाउस पर छापेमारी के बाद दर्ज किया गया था। छापेमारी के दौरान इन गेस्ट हाउस में बिना वैध दस्तावेजों के श्रीलंकाई नागरिक रह रहे थे। एजेंसी ने बताया कि अन्य आरोपियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

रायचूर, चिक्कबल्लापुर और बेल्लारी जिलों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आए

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेल्लारी, चिक्कबल्लापुर और रायचूर जिलों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने पूरे राज्य में निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रायचूर के मानवी तालुक, चिक्कबल्लापुर के चिक्कबल्लापुर तालुक और बेल्लारी के संदूर तालुक में कुक्कुट पक्षियों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आए हैं। अधिकारी ने हालांकि बताया कि राज्य में अब तक मनुष्यों में बर्ड फ्लू के किसी मामले की खबर नहीं है।

स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने मृत पक्षियों के नमूने एकत्र कर भोपाल स्थित केंद्रीय प्रयोगशाला भेजे थे, जहां पुष्टि हुई कि पक्षियों की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि ऐहतियाती उपायों के तहत पशुपालन विभाग ने उन स्थानों के तीन किलोमीटर के दायरे में पक्षियों को मारना शुरू कर दिया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे बीडीएसए और इन्विक्टस प्राइम प्राइवेट लिमिटेड के बीच प्रोजेक्ट ट्रायम्फ के तहत समझौता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शुक्रवार को बेंगलूरु डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन (बीडीएसए) और इन्विक्टस प्राइम प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमयूओ) पर हस्ताक्षर किए गए, जो बीडीएसए द्वारा शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट ट्रायम्फ' के तहत एथलीट विकास की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह पहल, जिसका उद्देश्य एलीट एथलीटों को व्यापक सहायता सेवाएँ प्रदान करना है, बीडीएसए, एक एसोसिएशन जो छह प्रमुख विषयों में करीब 80 एथलीटों का प्रबंधन करता है, और इन्विक्टस प्राइम, बेंगलूरु स्थित एक प्रसिद्ध खेल प्रशिक्षण और प्रदर्शन वृद्धि संगठन के बीच अपनी तरह का पहला सहयोग है।

यह सहयोग एथलीट विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें शक्ति और कंडीशनिंग, फिजियोथेरेपी, आहार और पोषण कार्यक्रम, और अन्य एथलीट सहायता सेवाओं की एक श्रृंखला शामिल है। इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि बीडीएसए के एथलीटों को उनके संबंधित खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए शीर्ष स्तर का प्रशिक्षण और समर्थन मिले, जिसमें प्रदर्शन को बढ़ाने, चोट के जोखिम को कम करने और रिकवरी को अनुकूलित करने पर विशेष जोर दिया गया। बेंगलूरु डिवीजन मुख्यालय में आयोजित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में बीडीएसए के कोच और एथलीट शामिल हुए और समझौता ज्ञापन पर श्रेयस जी होसुर (सचिव, बीडीएसए) और जीजी प्रमिला (ओएसडी स्पोर्ट्स) ने बेंगलूरु डिवीजन से और वरुण शेट्टी (निदेशक) और रोहन मैथ्यू, (निदेशक) इनविक्टस प्राइम प्राइवेट लिमिटेड से हस्ताक्षर किए।

भाषा विवाद पर राज्यपाल और द्रमुक आमने-सामने

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने शुक्रवार को राज्य की भाषा नीति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य सरकार की कठोर दो-भाषा नीति के कारण दक्षिणी तमिलनाडु के युवा अवसरों से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र उपेक्षित पिछवाड़ा बन चुका है।

सत्तारूढ़ द्रमुक ने रवि की टिप्पणियों के लिए उनकी आलोचना करते हुए उन पर तमिलनाडु के खिलाफ नफरत फैलाने का आरोप लगाया। राज्यपाल रवि ने तूतिकोरिन और तिरुनेलवेली जिलों का दौरा करते हुए विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी बातचीत का जिक्र किया और कहा कि उन्होंने शिक्षा, व्यवसाय, स्वास्थ्य, पर्यटन, युवा स्टार्टअप, महिला उद्यमिता और एमएसएमइ क्षेत्र के लोगों के साथ चर्चा की।

मुलाकात

बेंगलूरु में शुक्रवार को विधान सौधा में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात कर चर्चा करते हुए सांसद तेजस्वी सूर्या।

विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभागियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एपेक्स यूनिवर्सिटी में आयोजित राजस्थान विज्ञान महोत्सव एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 का समापन शुक्रवार को संपन्न हुआ। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान भारती राजस्थान और अन्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में विज्ञान एवं नवाचार से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि सांसद राव राजेंद्र (जयपुर ग्रामीण) द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। उन्होंने विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विजेताओं को पुरस्कृत कर हार्दिक बधाई दी, साथ ही कार्यक्रम के दौरान दिनभर चली विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया। उन्होंने विशेष रूप से प्राकृतिक कृषि में नवीन तकनीकों के उपयोग पर बल दिया जिससे कम उर्वरकों का प्रयोग हो और मिट्टी की उर्वरता बनी रहे। उन्होंने युवाओं को पर्यावरण-अनुकूल और सतत विकास की दिशा में नवाचार करने के लिए प्रेरित किया ताकि विज्ञान और तकनीक समाज और पर्यावरण के लिए अधिक उपयोगी सिद्ध हो सके।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त वी. सरवण कुमार ने इस महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान को बढ़ावा देने और छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए इस प्रकार के आयोजन महत्वपूर्ण हैं।

इस अवसर पर विज्ञान क्विज, पोस्टर प्रतियोगिता, कार्यशालाएँ, एटीएल शिक्षकों के लिए विशेष सत्र, संकाय व्याख्यान, प्रोजेक्ट वर्कशॉप जैसी गतिविधियाँ संपन्न हुईं। विज्ञानिका, लिक्विड नाइट्रोजन शो, बेसिक लाइफ सपोर्ट और फर्स्ट एड, मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण, रोबोटिक्स शो जैसी सामूहिक गतिविधियाँ भी आकर्षण का केंद्र बनीं। कार्यक्रम के दौरान एसएमएस अस्पताल की प्रशिक्षण टीम ने सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) देने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया जिसमे आपातकालीन स्थिति में लोगों की जान बचाने के लिए आवश्यक तकनीकों की जानकारी दी गई।

समारोह के दौरान राजस्थान राज्य नवाचार पुरस्कार के विभिन्न वर्गों में विजेताओं को सम्मानित किया गया। विज्ञान और नवाचार में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विज्ञान प्रेमियों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही ऐसे विज्ञान इनोवेटर्स को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया जिनके नवाचार पर्यावरण-अनुकूल और सतत विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। कॉलेज और स्कूल स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम ''एम्पॉवरिंग यूथ फॉर ग्लोबल लीडरशिप इन साइंस एंड इनोवेशन फॉर विकसित भारत'' के अनुरूप इस महोत्सव ने युवाओं को विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने का एक प्रभावी मंच प्रदान किया। समारोह में विभिन्न शिक्षाविद, वैज्ञानिक, शोधकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ब्यावर में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने ब्यावर जिले के बिजयनगर थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण मामले में शामिल एक और आरोपी को शुक्रवार को कर्नाटक से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जिले के बिजयनगर कस्बे में कैफे चलाने वाले आरोपी सांवर लाल को पुलिस टीम कर्नाटक से ले कर आ रही है।

पुलिस ने बताया कि यौन शोषण करने एवं धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने वाले आरोपी, नाबालिग लड़कियों को स्कूल से लौटते समय रास्ते में रोक लेते थे और सांवर लाल के केबिन कैफे में ले जाते थे। उन्होंने बताया कि कैफे वाला उनसे 200 रुपये प्रति घंटे चार्ज करता था। पुलिस उपाधीक्षक (मसूदा) सज्जन सिंह ने बताया, आरोपी सांवर लाल को पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार देर रात कर्नाटक में गिरफ्तार कर लिया और उसे ब्यावर लाया जा रहा है। आरोपी बिजयनगर में कैफे चलाता था।

इस बीच, आरोपी को मौत की सजा देने की मांग को लेकर हिंदू संगठनों ने आज किशनगढ़ शहर बंद रखा। अजमेर में आज विरोध प्रदर्शन कर रैली भी निकाली गयी। संगठनों ने शनिवार को अजमेर में बाजार बंद का आह्वान किया है। मामले में आरोपियों को सख्त सजा दिलाने की मांग करते हुए मुस्लिम एकता मंच ने शुक्रवार को अजमेर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

इस सनसनीखेज अपराध के लिए अब तक कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। मामले का खुलासा करीब 10 दिन पहले तब हुआ जब एक नाबालिग के पिता के पर्स से 2,000 रुपये गायब हो गए और पीड़ित लडकी के पास से एक चीनी मोबाइल फोन बरामद हुआ। पांच पीड़ित नाबालिग लड़कियों के परिजनों की ओर से मिली शिकायतों के आधार पर 16 फरवरी को बिजयनगर थाने में 10 लोगों के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गईं। घटना के बाद नगर पालिका द्वारा कुछ आरोपियों और स्थानीय जामा मस्जिद में अनियमितताओं का पता चलने के बाद अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में आज और कल हल्की बारिश की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में शुक्रवार एवं शनिवार को मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। जयपुर मौसम केन्द्र के प्रभारी राधेश्याम शर्मा ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान एवं उसके आसपास के क्षेत्र के ऊपर एक दबाव का तंत्र के प्रभाव से बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, भरतपुर संभाग में शुक्रवार को कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश एवं तेज हवाएं चलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि शनिवार को भी जयपुर, भरतपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश होने तथा शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि रविवार के बाद आगामी चार पांच दिन राज्य में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार बारां के अंता 15.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया, गंगानगर में न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री, सिरोही में 15.7 डिग्री, अलवर में 16 डिग्री, बीकानेर के लूणकरणसर में 16.2 डिग्री, डबोक में 16.5 डिग्री, करौली-दौसा में 16.6 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 16.9 डिग्री, और अन्य शहरों में 17.1 डिग्री सेल्सियस से लेकर 20.5 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

मकान गिरने से मलबे में दबी एक महिला और उसके बेटे की मौत

जयपुर।जयपुर ग्रामीण के सांभर थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक मकान गिर गया, जिसके मलबे में दब कर एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने इसकी जाकारी दी। थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि रिणगी गांव में शुक्रवार की सुबह एक मकान का एक हिस्सा ढह गया और मलबे में दबने से घर के अंदर सो रही हंसा देवी (35) और उसके बेटे लोकेश (7) की मौत हो गयी, जबकि महिला का एक और बेटा दिलसुख तथा रिश्तेदार चंदाराम घायल हो गया। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में पता चला कि मकान उसमें पड़े दरार के कारण गिरा है।

बाण गंगा नदी में जल उपलब्धता में वृद्धि के लिए प्रदेश सरकार चरणबद्ध रूप से कार्य करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शुक्रवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि बाणगंगा नदी में पानी डालने के लिए डीपीआर तैयार कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी । रावत प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बाण गंगा नदी में विभिन्न नदियों द्वारा पानी की आवक होती है। उन्होंने कहा कि बाण गंगा नदी में जल उपलब्धता में वृद्धि के लिए संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना के साथ-साथ बाणगंगा एवं रूपारेल बेसिन में जल आपूर्ति के क्रम में बजट घोषणा वर्ष 2025-26 में ''राणा प्रताप सागर बांध-ब्राह्मणी नदी से बीसलपुर बांध में जल अपवर्तन लिंक के कार्य किये जायेंगें। इनको आगे बढ़ाते हुए बीसलपुर बांध से बाणगंगा एवं रूपारेल नदी को चरणबद्ध रूप से जोड़े जाने सम्बन्धी कार्य की डीपीआर-'जयपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, करौली, भरतपुर, डीग, अलवर' के कार्य कराये जायेंगें।

इससे पहले विधायक राजेन्द्र के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक योजनान्तर्गत बाणगंगा नदी बेसिन में स्थित रामगढ़ बांध में पेयजल हेतु जल भरा जाना प्रस्तावित है। राज्य के परियोजना क्षेत्र में स्थित वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाएं जिनमें काफी समय से पर्याप्त जल आवक नहीं हो रही है, ऐसी वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं व बांधों में तकनीकी एवं वित्तीय उपादेयता के आधार पर जल भरा जाने का प्रावधान शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त योजना में मुख्य नहर तंत्र निर्मित होने पर राज्य के अन्य बांधों एवं तालाबों में जल भरने हेतु प्रावधान रखा गया हैं। डीपीआर की सक्षम स्वीकृति उपरान्त चरणबद्ध रूप से परियोजना का क्रियान्वयन प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को पार्वती-कालीसिंध-चम्बललिंक परियोजना के साथ एकीकृत किये जाकर संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना के रूप में नदी अतंर्योजन के लिये गठित विशेष समिति द्वारा 13 दिसम्बर 2022 को 20वीं बैठक के दौरान राष्ट्रीय परिपेक्ष्य योजना में शामिल किया गया। परियोजना के क्रियान्वयन हेतु प्रधानमंत्री महोदय की उपस्थिति में भारत सरकार, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के मध्य दिनांक 17 दिसम्बर 2024 को एमओए का हस्तान्तरण किया गया। रावत ने बताया कि संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना की डीपीआरजल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण द्वारा तैयार की जा रही है जो कि अंतिम चरण में है। डीपीआर तैयार होने पर केन्द्रीय जल आयोग से स्वीकृति प्राप्त की जाएगी। राणा प्रताप सागर बांध-ब्राह्मणी नदी से बीसलपुर बांध, बाणगंगा एवं रूपारेल नदीं में जल अपवर्तन हेतु डीपीआर तैयार होने पर गुणावगुण के आधार पर प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति हेतु भारत सरकार को प्रस्तुत किये जायेंगे।

डांग विकास योजना में नए गांव जोड़ने के लिए जिला कलक्टरों से मांगे प्रस्ताव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि डांग विकास योजना में नए गांव जोड़ने के लिए संबंधित जिला कलक्टरों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। देवासी प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे उन्होंने आश्वस्त किया कि इस संबंध में जिला कलेक्टरों से शीघ्र प्रस्ताव प्राप्त कर उनका अनुमोदन कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि डांग क्षेत्र विकास मण्डल की 8 जनवरी 2025 को आयोजित राज्य स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि भरतपुर जिले में डांग विकास योजना के तहत कार्यों को शीघ्र स्वीकृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष के बजट में डांग क्षेत्र के विकास के लिए 50 करोड़ की राशि को बढ़ाकर 100 करोड़ करने की घोषणा की गई है। देवासी ने कहा कि अधिकाधिक लोगों को डांग विकास योजना लाभ देने के लिए वन विभाग से अनापत्ति लेकर वन क्षेत्र में आने वाले गांवों तथा माइन्स को भी डांग विकास योजना में जोड़ने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। इससे पहले विधायक ऋतु बनावत के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उऊ कहा कि गत पांच वर्षों (2019-20 से 2023-24) में विधानसभा क्षेत्र में डांग क्षेत्रीय विकास योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्यों का वर्षवार एवं राशिवार विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि डांग क्षेत्रीय विकास योजना में वर्ष 2024-25 में 50 करोड़ रूपये का बजट आवंटन किया गया है । उन्होंने योजना में वर्ष 2024-25 में स्वीकृत कार्य एवं पूर्ण कार्यों का विवरण भी सदन के पटल पर रखा।

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) पहले दिन दो पारियों में संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) बृहस्पतिवार को राज्य में पहले दिन दो पारियों में संपन्न हुई। जयपुर को न केवल राजस्थान के उम्मीदवारों के लिए बल्कि अन्य राज्यों के उम्मीदवारों के लिए भी परीक्षा केंद्र बनाया गया था। इस कारण राजधानी जयपुर में एक लाख से अधिक उम्मीदवार परीक्षा देने के लिए पहुंचे। दोनों पारियों के समाप्त होने पर जयपुर की सड़कों पर भारी यातायात जाम देखने को मिला। कई उम्मीदवारों को रोडवेज बसों में जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

अधिकारियों के अनुसार, रीट परीक्षा जयपुर के 220 परीक्षा केंद्रों पर पहली पारी में सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की गई थी। दूसरी पारी अपराह्न 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक हुई। दूसरी पारी शहर के 233 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई।

परीक्षा केंद्रों पर बड़ी संख्या में उम्मीदवार निर्धारित ड्रेस कोड का पालन किए बिना पहुंचे जिसके कारण उन्हें परीक्षा केंद्रों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई। कई उम्मीदवारों ने ड्रेस कोड का पालन करने के लिए आखिरी समय में बदलाव किए, जबकि कुछ अभ्यर्थी देरी से पहुंचे, जबकि कुछ को सुरक्षा कारणों से प्रवेश नहीं दिया गया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि रीट परीक्षा पूरे प्रदेश में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ आयोजित की जा रही है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि परीक्षा पूरे प्रदेश में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि आज परीक्षा के दौरान नकल या अनुचित साधनों के प्रयोग की कोई घटना नहीं हुई। परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की गई थी और यह कल भी होगी।

विधानसभा में यूडीएच मंत्री और भाजपा विधायक आमने-सामने, सर्राफ बोले किसी कीमत पर घर नहीं तोड़ने देंगे

जयपुर। शहर के करतारपुरा नाले को लेकर राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को जबरदस्त बहस देखने को मिली। भाजपा विधायक कालीचरण सर्राफ और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सराफ ने आरोप लगाया कि नाले के नाम पर प्रशासन 500 घरों पर लाल निशान लगा चुका है, जिससे लोगों में भय का माहौल है। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी कीमत पर घर नहीं तोड़ने देंगे। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत 2018 में करतारपुरा नाले के सुधार की योजना बनाई गई थी। अब संशोधित कार्य योजना तैयार कर कोर्ट में पेश की जाएगी, ताकि कम से कम लोगों को नुकसान हो।

भाजपा विधायक सराफ ने कहा कि नाले को सुधारने के बजाय लोगों के घर तोड़ने का फैसला गलत है। उन्होंने मांग की कि इलाके में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जाए, जिससे समस्या स्थायी रूप से हल हो। सराफ ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में इस प्रोजेक्ट के लिए 21 करोड़ रुपये मंजूर हुए थे, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसे यह कहकर बंद कर दिया कि जमीन उपलब्ध नहीं है।

35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू को धरातल पर लाने का काम शुरू : राज्यवर्धन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में अधिकारियों के साथ राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू, फिनटेक पार्क, जयपुर में बन रहे यूनिटी मॉल, राजस्थान मंडपम एवं अन्य विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक की।कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहाकि राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 ने सब्सिडी, कर छूट और रोजगार सृजन प्रोत्साहन सहित आकर्षक वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत देश-विदेश के निवेशकों ने हमारी सरकार द्वारा स्थापित पॉलिसी फ्रेमवर्क में विश्वास जताते हुए पहले ही वर्ष में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के चेणी पर पर हस्ताक्षर किए, जो राज्य के इतिहास में सर्वाधिक है और इनपर धरातल पर काम भी शुरू हो चुका है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि भारत मण्डपम की तर्ज पर जयपुर में राजस्थान मण्डपम का निर्माण किया जाएगा।

मेक इन इंडिया तथा वन नेशन वन प्रोडक्ट के तहत स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए मंडपम में यूनिटी मॉल का भी निर्माण किया जा रहा है। राजस्थान मंडपम राज्य की कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों के लिए प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बनेगा। जयपुर में बनने वाले इस मंडपम को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस बनाया जा रहा है।

भजनलाल शर्मा के प्रयासों से राजस्थान विधानसभा में टूटा गतिरोध

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की 8 करोड़ जनता का ध्यान रखते हुए विकसित एवं उत्कृष्ट राजस्थान बनाने के लिए सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष को साथ मिलकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि सदन की मर्यादा कैसे रहे, यह सुनिश्चित करना सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्यों की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कई दिन से चले आ रहे गतिरोध के समाप्त होने के बाद गुरुवार को सदन में अपने वक्तव्य में कहा कि जब हम सभी सदस्य सदन में चर्चा करते हैं और वाद-विवाद होता है तो कई बात ऐसी भी निकल जाती है जो हम कहना नहीं चाहते लेकिन उसके लिए सदन बाधित होना उचित नहीं है।

FORM IV (See Rule 8)
Statement about ownership and other particulars about the newspaper
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT

1.Place of Publication	:	#6/4, Ist Floor, Cantonment Station Road, Bangalore 560 051.
2.Periodicity of Publication	:	Daily
3.Printer's Name	:	Devendra Sharma
Nationality	:	Indian
Address	:	#12/1, Sowrashtrapet Main Road, Bangalore 560 053.
4.Publisher's Name	:	Devendra Sharma
Nationality	:	Indian
Address	:	#12/1, Sowrashtrapet Main Road, Bangalore 560 053.
5.Editor's Name	:	Shreekant Parashar
Nationality	:	Indian
Address	:	#12/1, Sowrashtrapet, Bangalore 560 053.
6. Names and addresses of individuals who own the newspaper and partners or shareholders holding more than one percent of the total capital	:	**Owner :** New Media Company, '6/4, Ist Floor, Cantonment Station Road, Bangalore 51.

I, Devendra Sharma, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Date : 28/02/2025
Place : Bengaluru.

Sd/
Signature of Publisher

भारत, यूरोपीय संघ ने एफटीए को अंतिम रूप देने के लिए वर्ष के अंत तक की समय सीमा तय की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस वर्ष तक महत्वाकांक्षी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने पर शुक्रवार को सहमति व्यक्त की।

दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान रक्षा, सुरक्षा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने का संकल्प लिया। लेयेन ने घोषणा की कि यूरोपीय संघ (ईयू) अपने करीबी सहयोगियों जापान और दक्षिण कोरिया के साथ साझेदारी के अनुरूप भारत के साथ सुरक्षा और रक्षा समझौते को मजबूत करने पर विचार कर रहा है। वैश्विक स्तर पर अपनी तरह का सबसे बड़ा व्यापार समझौता करने की समयसीमा दोनों पक्षों द्वारा पहली बार बातचीत शुरू करने के 17 साल बाद आई है। वर्ष 2013 में निलंबित की गई वार्ता समझौते के लिए जून 2022 में पुनः शुरू की गई थी।

मोदी ने कहा, ''आज, हमने 2025 से आगे की अवधि के लिए भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी के लिए एक साहसिक और महत्वाकांक्षी रूपरेखा बनाने का निर्णय लिया है। इसे अगले भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन के सामने लाया जायेगा।'' भारत इस वर्ष के अंत में शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यूरोपीय संघ द्वारा नई दिल्ली से कार, शराब और कृषि उत्पादों पर शुल्क में कटौती की लगातार मांग के कारण इस समझौते के लिए बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही थी। यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष ने, 'कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स' या यूरोपीय

संघ के सदस्य देशों के वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं के साथ बृहस्पतिवार को अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा शुरू की। पिछले जून में हुए यूरोपीय संसदीय चुनावों के बाद यह पहली ऐसी यात्रा है। अपने मीडिया वक्तव्य में मोदी ने निवेश को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयासों के तहत निवेश संरक्षण समझौते के साथ-साथ भौगोलिक संकेतकों पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों के संकल्प का संकेत दिया। उन्होंने कहा, ''हमने व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, नवाचार, हरित विकास, सुरक्षा, कौशल और गतिशीलता के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक खाका तैयार किया है।'' उन्होंने कहा, ''हमने अपनी टीमों को इस वर्ष के अंत तक पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता करने का निर्देश दिया है।'' लेयेन ने कहा, ''हमने अपनी टीमों को इस गति को बनाए रखने और इस वर्ष के अंत से पहले हमारे मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का काम सौंपा है।''

प्रधानमंत्री ने रक्षा और सुरक्षा पर बढ़ते भारत-यूरोपीय संघ सहयोग को ''पारस्परिक विश्वास'' का प्रतीक बताया और कहा कि दोनों पक्ष साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद रोधी अभियानों में सहयोग को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, ''दोनों पक्ष हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के महत्व पर सहमत हैं।'' मोदी ने कहा, ''हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र और अफ्रीका में सतत और समावेशी विकास के लिए त्रिकोणीय विकास परियोजनाओं पर मिलकर काम करेंगे।'' वॉन डेर लेयेन ने कहा कि अब समय आ गया है कि भूमि, समुद्र और अंतरिक्ष में भारत-यूरोपीय संघ सुरक्षा और रक्षा सहयोग को बढ़ाया जाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए विज्ञान का लाभ उठाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर लोगों को बधाई दी और 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए विज्ञान का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, विज्ञान के प्रति जुनूनी लोगों, विशेष रूप से हमारे युवा अन्वेषकों को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर शुभकामनाएं।

आइए, विज्ञान और नवाचार को लोकप्रिय बनाते रहें और विकसित भारत के निर्माण के लिए विज्ञान का लाभ उठाएं। उन्होंने पिछले रविवार को आकाशवाणी से प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का भी उल्लेख किया जिसमें उन्होंने युवाओं से वैज्ञानिक गतिविधियों में भाग लेने के साथ ही 'वैज्ञानिक के रूप में एक दिन बिताने का आह्वान किया था। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एनएसडी) हर वर्ष 28 फरवरी को 'रमन प्रभाव' की खोज के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

भारत सरकार ने 1986 में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एनएसडी) के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी।

इसी दिन सर सी वी रमन ने 'रमन प्रभाव' की खोज की घोषणा की थी, जिसके लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

'बिहार की अर्थव्यवस्था 12 साल में 3.5 गुना होकर 8.54 लाख करोड़ रुपए पर'

पटना/भाषा। बिहार के वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 2011-12 में 2.47 लाख करोड़ रुपए से 3.5 गुना होकर 2023-24 में 8.54 लाख करोड़ रुपए हो गया है। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बजट सत्र के पहले दिन राज्य विधानसभा में 2024-25 के लिए बिहार आर्थिक समीक्षा पेश करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''बिहार ने पिछले दो दशकों में महत्वपूर्ण आर्थिक वृद्धि की है, जिसके परिणामस्वरूप कई सामाजिक-आर्थिक संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मौजूदा बाजार कीमतों पर बिहार की अर्थव्यवस्था का आकार 2011-12 में 2.47 लाख करोड़ रुपए से 3.5 गुना होकर 2023-24 में 8.54 लाख करोड़ रुपए हो गया है।''

तपेदिक को खत्म करने का लक्ष्य इस साल हासिल कर लेगा भारतः नड्डा

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस साल के अंत तक देश से तपेदिक (टीबी) को खत्म करने का लक्ष्य हासिल कर लेगा। नड्डा ने यह बात ओडिशा के पुरी में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में अच्छे एवं अनुकरणीय व्यवहारों और नवाचारों पर 9वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कही।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लू) ने दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया है। नड्डा ने कहा, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुसार, भारत को 2030 तक टीबी को खत्म करना है। लेकिन, हम इस लक्ष्य को 2025 तक हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

उन्होंने कहा, देश भर के 455 जिलों में जारी 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के दौरान हमने पहले ही पांच लाख टीबी रोगियों की पहचान की है। एक व्यापक अभियान जारी है। हम अभियान के तहत सभी आकांक्षी जिलों और आकांक्षी प्रखंडों को शामिल करने जा रहे हैं ताकि 2025 के अंत तक तपेदिक को खत्म करने में सक्षम हो सकें।

कृषि मंत्री चौहान ने अधिकारियों को मखाना बोर्ड के गठन में तेजी लाने के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को मंत्रालय के अधिकारियों को बिहार में मखाना बोर्ड के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों को रबी उपज का बेहतर मूल्य मिले।

भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा में भाग लेते हुए मंत्री ने खरीफ (ग्रीष्म) फसलों की प्रगति, आगामी सप्ताह के मौसम पूर्वानुमान और मौजूदा कीमतों के रुझान का जायजा लिया। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि चौहान ने अपने अधिकारियों को मखाना बोर्ड के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया और किसानों से सुझाव लेने को कहा है। केंद्रीय बजट 2025-26 में 100 करोड़ रुपए के शुरुआती निवेश के साथ बिहार के मखाना उद्योग को बढ़ाने के लिए मखाना बोर्ड की घोषणा की गई थी। मंत्री ने खरीफ फसलों की बुवाई की प्रगति की भी समीक्षा की। खरीफ (ग्रीष्म) फसलों के तहत कुल फसल क्षेत्र 2023-24 में 21 फरवरी तक 21.84 लाख हेक्टेयर से बढ़कर चालू फसल वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) में 22.31 लाख हेक्टेयर हो गया।

बैठक में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी और मंत्रालय के अन्य अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि प्याज, आलू और टमाटर की बुवाई के लिए अभी समय है और मौजूदा अच्छे बाजार मूल्यों को देखते हुए सामान्य क्षेत्रों में कवरेज की उम्मीद है।

वायुसेना प्रमुख ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा विनिर्माण के लिए स्वदेशी क्षमता के विकास की वकालत करते हुए वायुसेना प्रमुख ए पी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ''स्वदेशी प्रणाली'' को प्राथमिकता देगी, भले ही उसका ''प्रदर्शन थोड़ा कमतर हो''।

यहां ''भारत 2047: युद्ध में आत्मनिर्भर'' विषय पर 'चाणक्य डायलॉग' सम्मेलन में वायुसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि भारत में हर साल कम से कम 35-40 सैन्य विमान बनाये जाने की जरूरत है और इस लक्ष्य को हासिल करना असंभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि अधिग्रहण के मामले में भारतीय वायुसेना की पहली प्राथमिकता ''जो भी हो स्वदेशी हो'' है। उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं इस बात से पूरी तरह आश्वस्त हूं कि भले ही स्वदेशी प्रणाली थोड़ा कम प्रदर्शन वाली हो... यदि यह विश्व बाजार में मिलने वाली (प्रणाली) के प्रदर्शन का 90 प्रतिशत या 85 प्रतिशत है, तो हम स्वदेशी प्रणाली को ही चुनेंगे, क्योंकि यही एकमात्र तरीका है जिससे हम अपनी प्रणाली को हासिल करने के लिए हमेशा बाहर की ओर देखने से बच सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन साथ ही, स्वदेशी प्रणाली रातोंरात नहीं बन सकती। इसमें समय लगेगा और इसे समर्थन की आवश्यकता होगी। इसलिए, भारतीय वायुसेना किसी भी अनुसंधान एवं विकास परियोजना के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।''

उन्होंने कहा कि भारत को पुराने हो रहे विमानों के बेड़े की जरूरतों को पूरा करने के लिए हर साल कम से कम 35-40 लड़ाकू विमान बनाने की क्षमता विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, मैं समझता हूं कि ये क्षमताएं रातों-रात हासिल नहीं की जा सकतीं। लेकिन हमें खुद को उस दिशा में आगे बढ़ाना होगा। अब एलसीए एमके1ए उत्पादन की तरह, एचएएल ने वादा किया है कि अगले साल से, हम प्रतिवर्ष 24 विमान बनाएंगे... साथ ही कुछ सुखोई या कुछ अन्य विमान... हम अकेले एचएएल द्वारा प्रतिवर्ष 30 विमानों के उत्पादन की संभावना देख रहे हैं।'' सिंह ने कहा, ''यदि कोई निजी उद्योग भारत में विनिर्माण के लिए आता है, तो हम उनकी ओर से प्रतिवर्ष 12-18 विमान और जोड़ सकते हैं। इस प्रकार हम उस संख्या तक पहुंच रहे हैं। यह संभव है।'' उन्होंने लंबे समय तक युद्ध लड़ने के लिए घरेलू रक्षा उपकरणों के महत्व पर भी जोर दिया।

वायुसेना प्रमुख ने कहा, ''हमें लंबे समय तक चलने वाले युद्ध का सामना करने में सक्षम होना चाहिए, जिसके लिए हमें युद्ध के दौरान हथियारों के लिए आवश्यक उत्पादन दर निर्धारित करने की क्षमता की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि लंबे समय तक युद्ध की स्थिति में भारत को अपने पास उपलब्ध संसाधनों के मिश्रण पर निर्भर रहना होगा और यह विश्वास रखना होगा कि उद्योग आवश्यक हथियार बना सकते हैं। कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी प्रौद्योगिकियों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना स्वचालन (ऑटोमेशन) की दिशा में बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है।

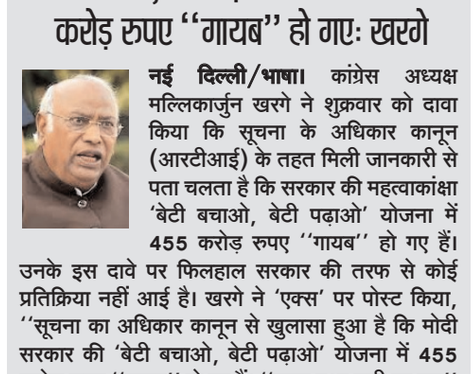

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पश्चिम बंगाल के तारापीठ मंदिर में पूजा-अर्चना की

कोलकाता/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले स्थित प्रसिद्ध तारापीठ मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ भी उनके साथ थीं। धनखड़ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आज बीरभूम जिले में स्थित पावन तारापीठ मंदिर में मां तारा के दिव्य दर्शन कर अत्यंत धन्य महसूस कर रहा हूं। भारत की प्रगति, नागरिकों के कल्याण और विश्व के आनंद के लिए प्रार्थना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने लिखा, मां तारा की कृपा से इस पूजनीय शक्तिपीठ में अपार आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा का अनुभव हुआ। यह पवित्र स्थल हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत और हमारे पवित्र कर्तव्यों से जोड़ता है। जय मां तारा! तारापीठ मंदिर से बाहर पत्रकारों से बातचीत में उपराष्ट्रपति ने कहा, इस पवित्र स्थल के दर्शन कर धन्य महसूस कर रहा हूं। यहां आकर नई ऊर्जा प्राप्त हुई जिसे मानवता के कल्याण में उपयोग करूंगा।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना में 455 करोड़ रुपए ''गायब'' हो गएः खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को दावा किया कि सूचना के अधिकार कानून (आरटीआई) के तहत मिली जानकारी से पता चलता है कि सरकार की महत्वाकांक्षा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना में 455 करोड़ रुपए ''गायब'' हो गए हैं। उनके इस दावे पर फिलहाल सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सूचना का अधिकार कानून से खुलासा हुआ है कि मोदी सरकार की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना में 455 करोड़ रुपए ''गायब'' हो गए हैं। ''बहुत हुआ नारी पर वार'' वाले भाजपाई विज्ञापन की गूंज पिछले 10 वर्षों से उन सभी महिलाओं की चीखों का उपहास उड़ा रही है, जो भाजपा राज में और कभी-कभी भाजपा के गुंडों द्वारा प्रताड़ित हुई हैं'' उन्होंने दावा किया, ''हाल में पुणे में सरकारी बस में एक महिला का बलात्कार हो या मणिपुर व हाथरस की हमारी बेटियां हों, या फिर महिला ओलिंपिक चैम्पियन हों, भाजपा राज में महिला सुरक्षा का नामोनिशान नहीं बचा है।''

भारत की बुनियाद सनातन धर्म में निहित है : उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारत की गहरी आध्यात्मिकता और प्राचीन सभ्यता को रेखांकित करते हुए कहा कि देश की बुनियाद सनातन धर्म में निहित है।

धनखड़ ने आध्यात्मिक गुरु श्रील प्रभुपाद की 150वीं जयंती के अवसर पर यहां एकत्र लोगों से कहा कि अहिंसा, शांति और भाईचारे के अपने संदेश के जरिये लंबे समय से दुनिया का पथ प्रदर्शक रहा भारत एक दिन विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने कहा, ''सनातन का अर्थ है समावेशिता, सार्वभौमिक मूल्य, देशभक्ति। इसका अभिप्राय जाति, पंथ और आर्थिक विभाजन से ऊपर उठना भी है।'' उन्होंने भारत की धरोहर का उल्लेख करते हुए कहा, ''विश्व में (भारत को छोड़कर) किसी भी देश की संस्कृति 5,000 वर्ष पुरानी नहीं है। भारत विश्व का आध्यात्मिक केंद्र रहा है और हमें इस गति को बनाये रखना होगा।'' धनखड़ ने 1,000-1,200 साल पहले नालंदा और तक्षशिला जैसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों पर हुए हमलों को लेकर भी अफसोस जताया। उन्होंने कहा, ''हमने अकल्पनीय बर्बरता देखी, फिर भी हम उठ खड़े हुए। अब, भारत फिर से विकास और प्रगति के पथ पर है, जो आध्यात्मिक विकास के बिना संभव नहीं है।''

धनखड़ ने यह भी कहा कि विश्व, भारत की आध्यात्मिकता और सभ्यता को श्री रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, श्री चैतन्य और श्रील प्रभुपाद जैसी महान हस्तियों के कारण जानता है। उन्होंने कहा, ''बंगाल खुदीराम बोस और चितरंजन दास की जन्मभूमि है। यह श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भी जन्मभूमि है, जिनका मार्गदर्शन राज्य और देश दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है।''

मणिपुर में उग्रवादियों ने मेइती धार्मिक स्थल पर पहाड़ियों से गोलीबारी की, कोई हताहत नहीं

इंफाल/भाषा। संघर्ष प्रभावित मणिपुर में ग्रामीण स्वयंसेवकों द्वारा सामूहिक रूप से हथियार सौंपे जाने के बीच शुक्रवार को अज्ञात उग्रवादियों ने इंफाल पूर्वी जिले में एक मेइती धार्मिक स्थल पर समीपवर्ती पहाड़ियों से गोलीबारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस घटना में हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि यह घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई, जब श्रद्धालुओं का एक समूह भारी सुरक्षा घेरे में प्रार्थना करने के लिए मेइती लोगों के पवित्र स्थल कोंगबा मारू गया था।

अधिकारियों ने बताया कि आसपास की पहाड़ियों से कुल सात गोलियां चलाई गईं लेकिन घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर भेजा गया है। गोलीबारी की घटना के बाद आस-पास के गांवों के गुस्साए स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और अपना विरोध दर्ज कराने के लिए यातायात अवरुद्ध कर दिया।

'आदिवासियों के कल्याण के बजाय राजनीतिक हितों को तरजीह दे रही भाजपा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मल्कानगिरि (ओडिशा)/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने शुक्रवार को केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर अपने राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए आदिवासियों के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया।

ओडिशा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पटनायक ने पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में जारी पोलावरम परियोजना के खिलाफ एक विरोध रैली को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

मल्कानगिरि जिले के मोतू में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में ओडिशा, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के 14 आदिवासी संगठनों ने भाग लिया। रैली 'ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑन पोलावरम' ने आयोजित की थी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आदिवासियों के लिए न्याय की उनकी पार्टी की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए पटनायक ने दावा किया कि केंद्र सरकार भाजपा के राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए पोलावरम परियोजना को वित्त पोषित कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासियों कल्याण की कीमत पर आंध्र प्रदेश सरकार का समर्थन कर रही है, क्योंकि पड़ोसी राज्य में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की सहयोगी है। पटनायक ने कहा, यह स्पष्ट है कि भाजपा के लिए राजनीतिक हित आदिवासियों के हितों से अधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि पोलावरम परियोजना से ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के आदिवासियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

एससी आयोग में दो अहम पद खाली, सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का सबूतः राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में दो अहम पद खाली हैं जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का एक और सबूत है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जल्द से जल्द आयोग के सभी पद भरने चाहिए ताकि यह दलितों के अधिकारों की रक्षा करने की अपनी ज़िम्मेदारी प्रभावी रूप से निभा सके। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की वेबसाइट के अनुसार, आयोग के उपाध्यक्ष तथा एक सदस्य का पद रिक्त है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का एक और सबूत देखिए! दलितों के अधिकारों की रक्षा करने वाले राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को जानबूझकर उपेक्षित कर दिया गया है - इसके दो अहम पद पिछले एक साल से ख़ाली पड़े हैं।''

आय कोई पैमाना नहीं, खेल सभी के लिए हैंः सिंधू के पिता पीवी रमन्ना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू के पिता और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी पीवी रमन्ना ने कम आय वाले परिवारों के बच्चों को खेलों में हाथ आजमाने को लेकर चल रही बहस पर कहा कि कई तरह की चुनौतियों के बावजूद वह खिलाड़ियों और उनके माता-पिता को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने से कभी हतोत्साहित नहीं करेंगे।

खुद मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद रमन्ना ने वॉलीबॉल में देश का प्रतिनिधित्व किया और वह 1986 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। सिंधू ने भी विश्व चैंपियनशिप, दो ओलंपिक पदक समेत दुनिया भर में कई टूर्नामेंट जीतकर देश का नाम रोशन किया।

रमन्ना ने 'पीटीआई' को दिये साक्षात्कार में कहा, '' जब मैं तीन साल का था तब मेरे पिता की मृत्यु हो गई। मैं 10 भाई-बहनों में सबसे छोटा था। लेकिन मेरे बड़े भाई-बहन मेरा समर्थन करके और मुझे राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल खेलते हुए देखकर बहुत खुश थे क्योंकि उस खेल के कारण मुझे रेलवे में नौकरी मिल गई।'' भारतीय वॉलीबॉल टीम में 'ब्लॉकर' की भूमिका निभाने वाले इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, '' ऐसे में अगर आप निम्न मध्यम वर्ग या मध्यम वर्ग से ताल्लुक रखते है तो किसी भी खेल में अच्छा होना वास्तव में आपके लिए अवसर खोलता है। यह मत भूलिए कि खेल बच्चे के समग्र विकास के लिए बहुत अच्छा है।'' रमन्ना कि यह टिप्पणी राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद के हालिया बयान से शुरू हुई बहस के बीच आई है। गोपीचंद ने कहा था कि मध्यम वर्ग के माता-पिता को बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने से पहले अच्छी तरह सोचना चाहिए क्योंकि जो लोग उच्चतम स्तर पर सफल नहीं होते हैं उनके पास पीछे हटने के बाद कुछ नहीं होता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारत में खेल शायद उन लोगों के लिए अधिक उपयुक्त है जो धनी परिवारों से आते हैं। रमन्ना ने गोपीचंद के दृष्टिकोण से असहमति जताते हुए कहा कि इसमें संतुलन बनाना सफलता की कुंजी है। उनका अपना घर इसका एक आदर्श उदाहरण है। इस 61 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि उनकी बड़ी बेटी पी वी दिव्या बचपन में नेटबॉल खेलने के बाद डॉक्टर बन गईं। दूसरी ओर, सिंधू ने रैकेट उठाते ही खुद को एक विलक्षण प्रतिभा के रूप में पेश किया।

झारखंड विधानसभा ने 5,508 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पारित किया

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 5,508 करोड़ रुपए के तीसरे अनुपूरक बजट पर चर्चा के बाद इसे पारित कर दिया। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने बृहस्पतिवार को तीसरा अनुपूरक बजट पेश किया। इसमें ऊर्जा विभाग को अधिकतम 971.80 करोड़ रुपए, ग्रामीण कार्यों के लिए 873.29 करोड़ रुपए और गृह, कारा और आपदा प्रबंधन के लिए 502.61 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया।

बहस में हिस्सा लेते हुए भाजपा के राज सिन्हा ने कहा कि 2025-26 के मुख्य बजट से महज दो दिन पहले 5,508 करोड़ रुपए के तीसरे अनुपूरक बजट की जरूरत उनकी समझ से परे है। सिन्हा ने आरोप लगाया कि सरकार 2024-25 के लिए कुल बजट आवंटन का सिर्फ 60-65 प्रतिशत ही खर्च कर सकती है। उन्होंने दावा किया, कृषि क्षेत्र में सरकार सिर्फ 20-22 प्रतिशत ही खर्च कर सकती है।

सुविचार

खुद पर भरोसा करने का हुनर सीख लो. सहारे कितने भी भरोसेमंद हो, एक दिन साथ छोड़ ही जाते है !

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मजबूत करें एकता की माला

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 'हिंदी थोपने' संबंधी जो टिप्पणी की है, उसमें तथ्यों का अभाव है। किसी भाषा को 'थोपने' का अर्थ होता है- अन्य सभी भाषाओं को हटाते हुए सिर्फ एक भाषा में पढ़ाई, कामकाज आदि के लिए विवश करना, लोगों के पास कोई विकल्प ही न छोड़ना! हमारे देश में ऐसा कहां हो रहा है? कहीं भी नहीं, बल्कि भारत में सभी भाषाओं, बोलियों के लिए सम्मान में बढ़ोतरी ही हुई है। भारत इतनी ज्यादा विविधताओं से भरा हुआ है कि यहां एक भाषा को सब पर 'थोप' देना संभव नहीं है। इसके गंभीर दुष्परिणाम हो सकते हैं। इस तथ्य से हमारी सभी सरकारें परिचित रही हैं। देश की आजादी से पहले ही महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे शीर्ष नेताओं ने इस पर बहुत मंथन किया था, सुझाव दिए थे और इस बात को लेकर सहमत थे कि सभी भाषाओं का सम्मान होना चाहिए, कोई भाषा किसी पर थोपी जानी नहीं चाहिए। जहां तक हिंदी का प्रश्न है तो इसमें अन्य भाषाओं को जोड़ने की भरपूर क्षमता है। अगर हमारी भाषाएं पुष्प हैं तो हिंदी ऐसा सुनहरा धागा है, जो सबको जोड़कर सुंदर माला बना सकती है। यह एकता की माला है। क्या देश में एकता नहीं होनी चाहिए? क्या देश में ऐसी भाषा नहीं होनी चाहिए, जिसके माध्यम से विभिन्न राज्यों के लोग एक-दूसरे से बातचीत कर सकें? अगर राजस्थान से कोई व्यक्ति प. बंगाल जाए तो हो सकता है कि उसे बांग्ला भाषा न आए। प. बंगाल से कोई व्यक्ति महाराष्ट्र जाए तो संभव है कि उसे मराठी भाषा का ज्ञान न हो। कोई गुजराती ओडिशा जाए तो वह रातोंरात उड़िया भाषा नहीं सीख सकता। कोई पंजाबी तमिलनाडु जाए तो वह तमिल भाषा में कैसे बात करेगा? इसके लिए हमें जरूरत है एक ऐसी भाषा की, जो संवाद की खिड़कियां खोले। अगर हिंदी में वह सामर्थ्य है तो किसी को इस पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

यह तो आनंद का विषय होना चाहिए कि हमारे पास भाषाओं का इतना बड़ा भंडार है और हिंदी 'अनेकता में एकता' का संदेश देती है। इसमें थोपने की बात कहां से आ गई? हम समस्त देशवासी इस पर गहराई से विचार करें। क्या हमारे पास एक ऐसी 'अपनी' भाषा नहीं होनी चाहिए, जिसमें सभी राज्यों के लोग आपस में बातचीत कर सकें? क्या पूरा विरोध हिंदी के प्रति ही है? क्या हिंदी की जगह अंग्रेजी को दे दी जाए तो कोई समस्या नहीं रहेगी, सभी विवाद समाप्त हो जाएंगे? अंग्रेजी का अपनी जगह महत्त्व है। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता। क्या यह भाषा हमारी भावनाओं को सही-सही अभिव्यक्त कर सकती है? क्या अंग्रेजी हमें जोड़ सकती है? अगर अंग्रेजी से ही सभी कार्य संपन्न हो जाते तो तकनीक के क्षेत्र की बड़ी-बड़ी कंपनियां, जो भारत में कारोबार कर रही हैं, वे हिंदी में सेवाएं क्यों दे रही हैं? आंकड़े गवाह हैं, जिन कंपनियों ने अंग्रेजी के अलावा हिंदी में सेवाएं उपलब्ध कराईं, उनके कारोबार में बढ़ोतरी हुई। ऑनलाइन परामर्श देने वाली एक फर्म, जो पहले सिर्फ अंग्रेजी में सेवाएं देती थी, जब उसने हिंदी में भी सेवाएं देनी शुरू कीं तो उसके ग्राहकों की संख्या में जोरदार बढ़ोतरी हुई। एमके स्टालिन ने हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं का मुद्दा उठाते हुए यह कहा कि इसने कितनी ही 'भारतीय भाषाओं' को निगल लिया! इसके लिए उन्होंने भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाउंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी आदि का उदाहरण दिया। वास्तव में हिंदी की वजह से हमारी अन्य भाषाएं समृद्ध हुई हैं। आज सोशल मीडिया पर इन भाषाओं / बोलियों के वीडियो हिंदीभाषी परिवारों में खूब देखे जाते हैं, क्योंकि इनमें हिंदी के शब्द शामिल हो गए हैं। कौनसा राज्य है, जहां शादियों में हिंदी, पंजाबी और भोजपुरी के गाने नहीं बजाए जाते? क्या मैथिली, अवधी, ब्रज आदि में धार्मिक भजन सिर्फ उप्र-बिहार में सुने जाते हैं? इनके वीडियो पर आने वाले कमेंट देखिए। हिंदी से किसी की मातृभाषा को खतरा होने का तर्क हास्यास्पद है। मातृभाषा का संरक्षण करना है तो घरों में ऐसा माहौल बनाएं, खासकर बच्चों के साथ मातृभाषा में बातचीत करें। इससे कौन रोक रहा है? प्राय: जब छोटा बच्चा 'ट्विंकल ट्विंकल लिटिल स्टार' सुनाता है तो बड़ों को गर्व की अनुभूति होती है, वे बच्चे की पीठ थपथपाते हैं। क्या वैसी ही अनुभूति उस समय होती है, जब बच्चा 'रहिमन धागा प्रेम का' सुनाता है? क्या उस समय वैसी तारीफ की जाती है? हिंदी का किसी भाषा से कोई विरोध है ही नहीं। नेतागण भाषाओं के नाम पर विवाद खड़ा करने के बजाय रोजगार, शिक्षा की गुणवत्ता, प्रशासनिक सुधार, बेहतर परिवहन सुविधा और खेती जैसे मुद्दों की ओर ध्यान दें, ताकि लोगों का जीवन बेहतर हो।

ट्वीटर टॉक

एक प्रदेश की सरकार का कुशल शासन उसकी सुदृढ़ कानून व्यवस्था पर पूरी तरह से निर्भर करता है। जब कानून और व्यवस्था मजबूत होती है, तो नागरिकों में सुरक्षा का अहसास बढ़ता है, समाज में शांति बनी रहती है, और राज्य का विकास सुचारु रूप से आगे बढ़ता है।

-गोविंद सिंह डोटासरा

फाल्गुन मास में मनाए जाने वाले बाबा खाटूश्याम जी के फाल्गुनी लक्खी मेले के शुभारंभ पर समस्त श्यामभक्तों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बाबा खाटू नरेश आप सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, प्रसन्नता तथा शांति प्रदान करें, यही मेरी मंगलकामना है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

संतुलन कला

एक बार संत सुकुमालनंदी जी मनुष्य के स्वभाव पर चर्चा कर रहे थे कि स्वभाव का संतुलन ही जीवन की मधुरता है। मगर एक शिष्य का कहना था कि क्रोध, बेचैनी, दुख, पराजय आदि से जूझते हुए कैसे संतुलन संभव है। तब संत ने समझाया कि कच्चे आम का स्वभाव खट्टा होता है, गुड़ मीठा होता है, मेथी कड़वी होती है, मिर्च तीखी होती है, और नमक की प्रकृति लवणता लिए होती है। फिर भी, जब ये सब मिलते हैं, एक जायकेदार अचार बनते हैं, तो हर किसी को पसंद आता है। यही संदेश हमें जीवन से भी लेना चाहिएहर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है, लेकिन यदि हम सबके साथ सामंजस्य बैठाना सीख लें, तो जीवन भी स्वादिष्ट और मधुर हो जाएगा। इसलिए संतुलन ही जीवनभर की सबसे बड़ी कला है।

सामयिक

नीतीश कुमार : सप्त-क्रांति आंदोलन के सच्चे सिपाही

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

15 अगस्त 2021 को, अपनी स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ अमृत महोत्सव मनाते हुए भारत ने एक इतिहास रचा है। वहीं बिहार में एक और इतिहास गढ़ा गया है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह के 17 साल 52 दिन के मुख्यमंत्रित्व काल के रिकॉर्ड को तोड़ चुके हैं। डेढ़ दशक से भी अधिक समय से बिहार की राजनीति नीतीश कुमार के इर्द-गिर्द घूम रही है।

नीतीश कुमार ने 1974 में छात्र आंदोलन में अपनी राजनीतिक यात्रा प्रारंभ की। पटना स्थित बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (अब एनआईटी) में अध्ययन करते हुए, उन्होंने खुद को पूरी तरह से क्रांति के लिए समर्पित कर दिया। 1977 में, उन्होंने हरनौत निर्वाचन क्षेत्र से वरिष्ठ समाजवादी नेता भोला प्रसाद सिंह के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन सफल नहीं हो सके। वह पुनः 1980 का चुनाव निर्दलीय अरुण सिंह से हार गए, जिन्हें बेलछी नरसंहार में गलत तरीके से फंसाया गया था। नीतीश को अपने तीसरे प्रयास में 1985 में विधानसभा के लिए निर्वाचित होने में मदद मिली, जिसके बाद उनके राजनीतिक ग्राफ में तेजी से उछाल आया।

नीतीश कुमार 1989, 1991, 1996, 1998, 1999 में वे बाढ़ निर्वाचन क्षेत्र से और 2004 में नालंदा निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए। वाजपेयी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में, उन्होंने 1990 में राज्यमंत्री (कृषि), 1998 में कैबिनेट मंत्री (रेलवे), 1999 में भूतल परिवहन मंत्री, 1999 में कृषि मंत्री और 2001 में रेलमंत्री के रूप में कार्य किया। पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की मृत्यु के पश्चात लालू प्रसाद को विधायक दल के नेता के रूप में चुने जाने तथा 1990 में जनता दल के सत्ता में आने पर उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में चुनने हेतु विधायकों का समर्थन जुटाने में नीतीश ने अहम भूमिका निभायी। वह बिहार राजनीति के चाणक्य के रूप में प्रसिद्ध हुए।

जनता दल जनता से कुछ वादों पर सत्ता में आया था। नीतीश ने विभिन्न परियोजना कार्यों के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार को कार्ययोजना प्रस्तुत की, लेकिन अब वे लालू की प्राथमिकता नहीं रह गये थे। नीतीश कुमार को धीरे-धीरे पार्टी कार्यक्रमों से भी किनारे किया जाने लगा और लालू के साथ उनका बने रहना असहनीय हो गया। 1994 में कुर्मी समाज और लव-कुश सम्मेलन की आक्रामक रैली शासन के खिलाफ समाज के गैर-यादव वर्गों में नाराजगी का संकेत थी। रैली में शामिल नीतीश ने महसूस किया कि लड़ाई लड़ने का उपयुक्त समय आ गया है।

1994 में जनता दल में टूट हुई तथा समता पार्टी का गठन किया गया। 1995 के चुनाव में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के चेहरा के रूप में पेश किया गया था, लेकिन पार्टी बुरी तरह फ्लॉप हो गई। गहन विचार-विमर्श के उपरान्त भाजपा-समता पार्टी गठबंधन अस्तित्व में आया और इसका सकारात्मक प्रभाव आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में देखा गया। वर्ष 2000 के चुनाव में, किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला और तत्कालीन राज्यपाल द्वारा नीतीश को मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था। लेकिन वह विधायकों से बहुमत का समर्थन जुटाने में सफल नहीं हुए और महज 7 दिनो में त्यागपत्र देना पड़ा।

नवंबर 2005 के चुनाव में उनके नेतृत्व में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला और उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। तब से वह अपने नामित उत्तराधिकारी जीतनराम मांझी के 278 दिनों के शासन को छोड़कर मुख्यमंत्री हैं। नीतीश कुमार ने खुद को जातिवाद और पारिवारिक

मंडली से दूर रखा। नीतीश समाज के सभी वर्गों के साथ संतुलित सामाजिक इंजीनियरिंग के साथ आगे बढ़े। उन्होंने नौकरशाही के साथ-साथ पार्टी संगठन में अपनी ही जाति के लोगों के वास्तविक अधिकारों की कीमत पर हमेशा अन्य जातियों को प्राथमिकता दी।

पार्टी का मेरुदंड होने के बावजूद, उनकी जाति के लोगों को लोकसभा, राज्यसभा, विधान सभा या विधान परिषद की उम्मीदवारी और मंत्री पद पर कभी भी समुचित हिस्सेदारी नहीं मिली। लगभग 30 प्रतिशत जनसंख्या वाली अत्यंत पिछड़ी जातियाँ, पिछड़े पसमांदा मुस्लिम, महादलित और महिलाएँ हमेशा से ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। वस्तुतः 2020 के बिहार चुनाव एनडीए बनाम महागठबंधन नहीं था, बल्कि नीतीश बनाम अन्य सभी था। जब भाजपा के कोर मतदाताओं ने नीतीश को हराने में कोर कसर नहीं छोड़ी, तब यही अभिवंचित तबके, जिन्हें साइलेंट वोटर कहा जाता है, राजनीतिक अखाड़े में नीतीश के पीछे मजबूती से खड़े थे।

मुख्यमंत्री की कमान संभालने पर कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए उन्होंने फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए और अपराधियों को सलाखों के पीछे जाना पड़ा। सड़कें, पुल, बाइपास, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, पुलिस स्टेशन, पंचायत भवन बनाए गए। मुख्यमंत्री साइकिल योजना, पोशाक योजना, किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसी अनेक योजनाएं शुरू की गईं। एक किमी के दायरे में प्राथमिक विद्यालय, गांव के 3 किमी के दायरे में उच्च प्राथमिक विद्यालय और प्रत्येक पंचायत में उच्च विद्यालय खोले गए। पिछड़े क्षेत्रों में इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईटीआई संस्थान खोले गए हैं। वित्तीय संकट से निबटने हेतु विद्यार्थियों के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की गई। राज्य में अब लोगों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध है।

महिला सशक्तिकरण नीतीश का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रहा है। पंचायतों और स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण और महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, ग्रामीण महिलाओं के लिए जीविका कार्यक्रम लागू किया गया। जेपी आंदोलन के दौरान सप्त-क्रांति की दृष्टि की तर्ज पर, उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए सात-निश्चय नामक 7-सूत्री कार्यक्रम की योजना बनाई। नीतीश का सकारात्मक पक्ष यह है कि उनकी प्राथमिकता केवल सरकारी कल्याणकारी योजनाएं नहीं हैं. बल्कि बाल विवाह, दहेज प्रथा और शराब जैसी सदियों पुरानी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ उन का सार्वजनिक अभियान अद्वितीय है।

नीतीश कुमार अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से ही हमेशा संघर्षरत रहे हैं। 2020 के राजनीतिक युद्ध में, यह उनका संघर्ष हीं था कि विपक्षी गठबंधन, शराब माफिया, पक्षपाती इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ-साथ अपने ही सहयोगी भाजपा के कोर वोटरों के शक्तिशाली समूहों का एकमात्र लक्ष्य होने के बावजूद, उन्होंने कम सीटों के साथ हीं सही निर्णायक लड़ाई जीती और बिहार के मुख्यमंत्री बने।

रोचक

झारखंड में मिला 14 करोड़ साल पुराना 'खजाना'

झारखंड के भूवैज्ञानिकों के लिए खुशखबरी है। यहां 1415 करोड़ साल पहले का एक 'खजाना' वैज्ञानिकों के हाथ लगा है। वैज्ञानिकों की मानें तो उनकी टीम ने बरमसिया गांव में एक विशाल वृक्ष के जीवाश्मकृत अवशेषों को पहचाना है। इससे कई महत्वपूर्ण जानकारियां हाथ लग सकती हैं। झारखंड में भूवैज्ञानिकों के हाथ एक अनोखा 'खजाना' लगा है, जो कि 1415 करोड़ साल पुराना बताया जा रहा है। भूविज्ञानी डॉ। रंजीत कुमार सिंह और वन रेंजर रामचंद्र पासवान ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताा कि मंगलवार को पाकुड़ जिले के बरमसिया गांव में एक महत्वपूर्ण खोज सामने आई हैं। यहां पर एक पेट्रोफाइड जीवाश्म की खोज की गई है।

टीम ने एक विशाल वृक्ष के जीवाश्मकृत अवशेषों को पहचाना, जो 10 से 1415 करोड़ वर्ष पूर्व के हो सकते हैं। यह खोज न केवल वैज्ञानिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि स्थानीय समुदाय के लिए भी गर्व का विषय है, क्योंकि यह क्षेत्र की प्राचीन प्राकृतिक विरासत को उजागर करता है। यह जैविक इतिहास को

समझने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। डॉ। सिंह ने बताया कि इस क्षेत्र में और भी अनुसंधान की आवश्यकता है ताकि जीवाश्म की सटीक आयु और उसके पर्यावरणीय संदर्भ को समझा जा सके। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इस क्षेत्र को संरक्षित किया जाना चाहिए ताकि भविष्य की पीढ़ियां भी इस महत्वपूर्ण विरासत का अध्ययन और सराहना कर सकें।

वन रेंजर रामचंद्र पासवान ने स्थानीय समुदाय से अपील की है कि वे इस क्षेत्र की सुरक्षा में सहयोग करें और किसी भी अवैध गतिविधि से बचें जो इस महत्वपूर्ण स्थल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस खोज से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। इस खोज के बाद भू-वैज्ञानिक व प्रकृति पर्यावरण के शोधार्थी व अन्य इस क्षेत्र का विस्तृत सर्वेक्षण अध्ययन करने की योजना बनाई है, ताकि और भी महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्रित की जा सकें और क्षेत्र की भू वैज्ञानिक हलचल घटना पर्यावरण संरक्षण जैव विविधता और भूवैज्ञानिक इतिहास को संरक्षित किया जा सके।

डॉ। रणजीत कुमार सिंह का मानना है कि पाकुड़ जिला पेट्रोफाइड फॉसिल का धनी है। बताया कि इस क्षेत्र के विज्ञान और वैज्ञानिक समझ में रूचि रखने वाले आम लोगों के लिए संरक्षित और संरक्षित करने की सख्त जरूरत है।

इसे लेकर झारखंड वन विभाग के प्रभागीय वनाधिकारी मनीष तिवारी के साथ भू-विरासत विकास योजना का प्रस्ताव रखा जा रहा है। बताया कि स्थानीय ग्रामीणों, प्रशासकों, वन विभाग, झारखंड राज्य के इकोटूरिज्म के साथ बातचीत की और इस क्षेत्र में एक अलग जियोपार्क कैसे विकसित किया जा सकता है, इस पर चर्चा की जा रही है।

नजरिया

बिखरते परिवार एवं दरकते रिश्ते

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

आज भी देश और दुनियां, परिवार और संयुक्त परिवार की अहमियत को लेकर विवादों में उलझी है। भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली बहुत प्राचीन समय से ही विद्यमान रही है। वह भी एक जमाना था जब भरा पूरा परिवार हँसता खेलता और चहकता था और एक दूसरे से जुड़ा रहता था। बच्चों की किलकारियों से मोहल्ला गूंजता था। पैसे कम होते थे पर उसमे भी बहुत बरकत होती थी। घर में कोई हंसी खुशी की बात होती थी तो बाहर वालों को बुलाने की जरूरत ही नहीं पड़ती थी। आज परिवार कितने छोटे हो गए हैं और टूटते जा रहे हैं, हमारे रिश्ते बिखरते जा रहे हैं। संयुक्त परिवार की आज के समय में महती आवश्यकता है। संयुक्त परिवारों के अभाव में भाईचारा एवं पारिवारिक वातावरण खत्म होने लगा है। संयुक्त परिवार प्रथा भारतीय संसकृति का हिस्सा रही है। ऐसी फैमिली की बुनियाद उनके बीच का प्यार है, जो सबको एस साथ जोड़ कर रखती है। आजकल भारत के साथ ही दुसरे देशों में भी लोग संयुक्त परिवार में एक साथ रहने लगें हैं। आज हम आपकों ऐसी फैमिली में रहने वाले फायदों के बारे में बताएगें। संयुक्त परिवारों के कई फायदे हैं. जब कभी भी जरूरत है आपको परिवार के सदस्यों का पूरा समर्थन मिलता है, जब आप नौकरी के लिए जाते हैं तो आपके बच्चे घर में अकेले नहीं रहेंगे, आप उनके साथ अपने सुख और दुख साझा कर सकते हैं। कई बार दिन के समय में घर में चोरियां हो जाती हैं, क्योंकि घर में कोई भी उपलब्ध नहीं होता है, इसलिए यदि वहाँ एक संयुक्त परिवार होगा, चोरियों के मामलों में भी कमी होगी. यदि परिवार के सभी सदस्य को एक साथ रह रहे हैं तो हमें दूसरों से मदद माँगने की जरूरत नहीं है।

भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली बहुत प्राचीन समय से ही विद्यमान रही है। साधारणतः संयुक्त परिवार वह है जिसमें पति-पत्नी, सन्तान, परिवार की वधुएँ, दादा-दादी, चाचा-चाची, अनके बच्चे आदि सम्मिलित रूप से रहते है। संयुक्त परिवार में माता-पिता, भाई-बहन के अतिरिक्त चाचा, ताऊ की विवाहित संतान, उनके विवाहित पुत्र, पौत्र आदि भी हो सकते हैं। संयुक्त परिवार से घर में खुशहाली होती है। साधारणत पिता के जीवन में उसका पुत्र परिवार से अलग होकर स्वतंत्र गृहस्थी नहीं बसाता है। यह अभेद्य परंपरा नहीं है, कभी-कभी अपवाद भी पाये जाते हैं। ऐसा भी समय आता है, जब रक्त संबंधों की निकटता के आधार पर एक संयुक्त परिवार दो या अनेक संयुक्त अथवा असंयुक्त परिवारों में विभक्त हो जाता है। असंयुक्त परिवार भी कालक्रम में संयुक्त परिवार का ही रूप ले लेता है और संयुक्त परिवार का क्रम बना रहता है। जिस फैमिली में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और खूब सारे भाई-बहन होते है उसे जॉइंट फैमिली (संयुक्त परिवार) कहां जाता है। ऐसी फैमिली की बुनियाद उनके बीच का प्यार है, जो सबको एस साथ जोड़ कर रखती है। इस में बूढ़ों से लेकर बच्चे कर अपना सुख-दुख एक साथ बाटते है।

संयुक्त परिवार के सदस्यों के पास आपसी सामंजस्य की समझ होती है। एक बड़े संयुक्त परिवार में, बच्चों को एक अच्छा माहौल और हमेशा के लिये समान आयु वर्ग के मित्र मिलते हैं इस वजह से परिवार की नयी पीढ़ी बिना किसी रुकावट के पढ़ाई, खेल और अन्य दूसरी क्रियाओं में अच्छी सफलता प्राप्त करती हैं। संयुक्त परिवार में विकास कर रहे बच्चों में सोहार्द की भावना होती है अर्थात मिलनसार तथा किसी भी भेदभाव से मुक्त होते हैं। परिवार के मुखिया की बात मानने के साथ ही संयुक्त परिवार के सदस्य जिम्मेदार और अनुशासित होते हैं। परिवार चाहे संयुक्त हो या एकल, इसकी खुशियां सदस्यों की सोच और व्यवहार पर ही निर्भर करती हैं। हर परिवार के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। सुरक्षा की दृष्टि से संयुक्त परिवार की खूबियां है तो सुविधा की दृष्टि से एकल परिवार के भी अपने फायदे हैं।

बदलते वक्त और जरूरत के हिसाब से परिवार संयुक्त और एकल परिवार का रूप लेते हैं।सुरक्षा, और सुविधा, दोनों ही दृष्टियों से संयुक्त परिवार के अपने फायदे हैं। संयुक्त परिवार में अगर कभी किसी को कोई दिक्कत होती हैं तो सभी सहायता के लिए पूरा परिवार ही जुट जाता है। बच्चों को छोड़कर ऑफिस या कहीं बाहर जाना है तो भी निश्चिंतता के साथ जा सकते हैं। यहां बच्चों की जिम्मेदारी सिर्फ माता-पिता की नहीं बल्कि पूरे परिवार की होती है। बच्चे परिवार के संस्कार भी सीखते हैं। संयुक्त परिवार का एक मुखिया होता है, जो परिवार के सभी सदस्यों के लिए नीतियाँ और निर्देश देता है। इन परिवारों में पुत्र विवाह के बाद अपने लिए अलग रहने की व्यवस्था नहीं करता। परिवार में जन्मे बच्चों के पालन पोषण के लिए एक स्वस्थ वातावरण निर्मित होता है जिसमे वह समाज में घुल मिल जाने के संस्कार, नीतियाँ, दायित्व आदि सीखता है। एकल परिवार में जहाँ कुछ ही लोगों का लाड़ दुलार मिलता है इसलिए परिवार वही बेहतर हैं जहाँ आपस में प्रेम, विश्वास और एक दूसरे के सुख-दुःख में शामिल होने का अपनापन है, वह चाहे संयुक्त परिवार हो या एकल!

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अनंत अंबानी के 'वनतारा' को मिला राष्ट्रीय 'प्राणी मित्र' पुरस्कार

जामनगर/दक्षिण भारत। अनंत अंबानी के 'वनतारा' को भारत सरकार द्वारा 'कॉर्पोरेट' श्रेणी के तहत पशु कल्याण में प्रतिष्ठित 'प्राणी मित्र' राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार राधे कृष्ण मंदिर हाथी कल्याण ट्रस्ट के असाधारण योगदान के लिए दिया गया है। पुरस्कार विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में दिया गया।

बता दें कि वनतारा हाथियों के बचाव, उपचार और आजीवन देखभाल के लिए समर्पित संगठन है। 998 एकड़ में फैले इस केंद्र में 240 से ज्यादा बचाए गए हाथी हैं। इसमें से सर्कस से 30 हाथी, लकड़ी उद्योग से 100 से ज्यादा हाथी और सवारी एवं सड़क पर भीख मांगने जैसी कुप्रथाओं से बचाए गए अन्य हाथी शामिल हैं।

इन हाथियों को वनतारा में विश्व स्तरीय पशु चिकित्सा उपचार और देखभाल मिलती है। यहां हाथियों का दुनिया का सबसे बड़ा अस्पताल है। तालाब और जकूजी जैसी सुविधाएं भी हैं। वनतारा के सीईओ विवान करणी ने यह सम्मान स्वीकार किया। उन्होंने कहा, 'यह पुरस्कार उन अनगिनत व्यक्तियों को नमन है, जिन्होंने भारत के पशुओं की

सुरक्षा और देखभाल के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। वनतारा में पशुओं की सेवा करना केवल एक कर्तव्य नहीं है, यह हमारा धर्म और सेवा है। हम भारत की समृद्ध जैव विविधता की रक्षा करने के अपने मिशन में अथक प्रयास करते रहेंगे।'

वनतारा हाथी एंबुलेंस का सबसे बड़ा बेड़ा भी संचालित करता है। इसमें 75 कस्टम-इंजीनियर्ड वाहन हैं। इसके अलावा हाइड्रोलिक लिफ्ट, रबर मैट फ़्लोरिंग, पानी के कुंड, शावर और केयरटेकर केबिन हैं, जो हाथियों को एक जगह से दूसरी जगह सुरक्षित ढंग से ले जाते हैं।

महाकुंभ से भावुक होकर विदा हो रहे श्रद्धालु

महाकुंभनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश में पिछले 45 दिनों से मंत्रोच्चार एवं भजन-प्रवचन से गुंजायमान महाकुंभनगर अब वीरानगी की ओर बढ़ रहा है। टेंट उखड़ रहे हैं और सामान ट्रैक्टरों पर लादे जा रहे हैं। ऐसे में हफ्ते महीने इस नगर में बिताने वाले लोग भावुक होकर विदा हो रहे हैं।

महाकुंभनगर में 45 दिनों तक चला मेला महाशिवरात्रि स्नान के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। लाखों लोगों ने तो इसे अपना अस्थाई घर ही बना लिया था। महाकुंभ नगर के सेक्टर आठ में बैलों के संरक्षण के लिए शिविर लगाकर एक महीने से अधिक का प्रवास करने वाले राहुल शर्मा ने बहुत भावुक होकर कहा, वापस जयपुर जाने का मन नहीं कर रहा। यहां हुई अनुभूति को मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। यहां हर दिन एक नई ऊर्जा का संचार महसूस हुआ। जमीन पर सोया, लकड़ी की आग पर भोजन पकाकर खाया। यह सब महानगरों में कहां नसीब होता है। उन्होंने कहा, इस मेले ने मुझे देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की सेवा करने का अवसर दिया। एक ही जगह पर बिना बुलाए लोग आए। प्रयागराज की रहने वाली सलोनी निरंजन सेक्टर छह में एक स्विस कॉटेज में ठहरी थीं। टेंट उखड़ते देख दुखी मन से उन्होंने कहा, मैंने इसी टेंट में एक महीने का कल्पवास किया और अब इस घर को उजड़ता देख बहुत दुख हो रहा है। उन्होंने बताया, महाशिवरात्रि तक यहां जनसैलाब उमड़ा था और अब धीरे धीरे यह इलाका वीरान हो रहा है। सलोनी के पति निरंजन लाल और उनके परिवार के पंडा शंभूनाथ शर्मा भी इस दृश्य को देखकर भावुक हैं।

समारोह

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में साइंस सिटी में गौड़ीय मिशन के संस्थापक आचार्य श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद के 150वें आगमन समारोह के समापन समारोह में शामिल हुए।

युद्ध नेटवर्कयुक्त, डिजिटल, अतिकुशल हो गया है; मानव-मशीन युद्ध संभव : सीडीएस चौहान

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि युद्धकला तेजी से नेटवर्कयुक्त, डिजिटल और अतिकुशल होती जा रही है तथा भविष्य में युद्धों के परिणाम तय करने में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

यहां भारत 2047 : युद्ध में आत्मनिर्भर विषय पर चाणक्य संवाद सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डेटा केंद्रित युद्ध में नेटवर्क सुरक्षा, बहुतायत, डेटा प्रवाह में विलंब और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के साथ-साथ डेटा का भंडारण, संग्रह और विश्लेषण शामिल है। रोबोटिक्स और स्वचालन के रुझानों का उल्लेख करते हुए जनरल चौहान ने उपस्थित लोगों को बताया कि इससे भविष्य में मनुष्यों और मशीनों के बीच तथा परस्पर मशीनों के बीच भी युद्ध की संभावना उत्पन्न होती है। चौहान ने कहा, हम सभी जानते हैं कि युद्ध तेजी से डिजिटल, नेटवर्कयुक्त और अतिकुशल होते जा रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि भविष्य में कृत्रिम

बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स और सुपरकंप्यूटिंग जैसी प्रौद्योगिकियां युद्ध के परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा, भारतीय सशस्त्र बल वास्तव में डेटा-केंद्रित युद्ध या बुद्धिमान युद्ध की ओर बढ़ना चाहते हैं। थिएटर कमांड की अवधारणा को समझाते हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने इसे बल निर्माण को बल अनुप्रयोग से अलग करने का प्रयास बताया।

जनरल चौहान ने कहा, अब तक ये दोनों जिम्मेदारियां सेना मुख्यालयों या सेना प्रमुखों के पास थीं। वे भर्ती, प्रशिक्षण, उपकरण अधिग्रहण और रखरखाव के अलावा अन्य कार्यों के लिए भी जिम्मेदार थे। उन्होंने कहा, इसलिए बल सृजन और बल अनुप्रयोग एक जिम्मेदारी थी। अब हम इसे अलग करने का प्रयास कर रहे हैं। हम एक ऐसे थिएटर कमांडर को नामित करने का प्रयास कर रहे हैं जो अलग-अलग क्षेत्रों से संचालित अभियान में सक्षम हो, अर्थात अंतरिक्ष और साइबर से समर्थन सहित सभी तीन डोमेन में।

दुनियाभर में खसरा से बचाव के लिए टीकाकरण की दर हुई धीमी, प्रकोप बढ़ा

बैंकॉक/एपी। अमेरिका में इस सप्ताह 2015 के बाद से खसरा के कारण मौत का पहला मामला दर्ज किया गया। टेक्सास में खसरा से एक बच्चे की मौत हो गई, जिसके टीका नहीं लगा था।

आमतौर पर, अमेरिका में खसरा के अधिकतर मामले विदेश यात्रा करने वाले व्यक्तियों के कारण सामने आते हैं। अब तक टेक्सास में 128 मामले दर्ज हो चुके हैं। न्यू मेक्सिको में नौ मामले सामने आए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कोविड-19 महामारी फैलने के बाद से दुनियाभर में खसरा के टीके लगाए जाने की दर में गिरावट आई है। अमेरिका के अधिकतर राज्यों में बहुत छोटे बच्चों को खसरा के टीके लगाने की दर 95 प्रतिशत से नीचे चली गई है। खसरा के प्रकोप से लोगों को बचाने के लिए टीकाकरण की दर 95 प्रतिशत होनी चाहिए।

ब्रिटेन में 2024 में खसरा के 2,911 मामले सामने आए। 2012 के बाद से एक वर्ष में खसरा के सबसे अधिक मामले पिछले साल सामने आए।

अमेरिका में 2024 में 2023 की तुलना में लगभग दोगुने ज्यादा मामले सामने आए थे, जिसके बाद चिंताएं बढ़ गई थीं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने 2024 में खसरा के कम से कम 18 मामलों की पुष्टि की थी। पिछले साल न्यूयॉर्क, फिलाडेल्फिया और शिकागो में भी खसरा के मामले सामने आए थे।

परीक्षा

नई दिल्ली में सीबीएसई बोर्ड हिंदी परीक्षा देने के बाद छात्र परीक्षा केंद्र से बाहर आते हुए।

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की आने वाली फिल्म सिकंदर का टीजर रिलीज हो गया है। जब से इस फिल्म सिकंदर की घोषणा हुई है, तभी से दर्शक इसके हर अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन ए. आर. मुरुगादॉस ने किया है, जबकि इसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। टीज़र में सलमान खान का फुल एक्शन वाला अंदाज देखने को मिला है।

टीजर में सलमान खान एक्शन करते आए और उनके कुछ जबरदस्त डॉयलाग ने लोगों का ध्यान भी खींच लिया। मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज करे हुए इंस्टाग्राम पर लिखा है, सिकंदर आ रहा है इस ईद पर। पेश है फिल्म 'सिकंदर' का टीजर। टीजर की शुरुआत सलमान खान की एंट्री की साथ होती है। बैकग्राउंड में सलमान की आवाज़ सुनाई देती है। वे कह रहे हैं, दादी ने नाम सिकंदर रखा था, दादा ने संजय...और प्रजा ने राजा साहब। इसके बाद एक्शन शुरू हो जाता है और विलेन के रोल में दिख रहे सत्यराज का डायलॉग्स सुनाई देता है, अपने आपको बड़ा सिकंदर समझता है...इंसाफ दिलाएगा तू।

टीजर में दुश्मनों के छक्के छुड़ाते हुए हुए सलमान खान उन्हें चेतावनी देते हुए कहते है, 'कायदे में रहो, फायदे में रहो वरना श्मशान या कब्रिस्तान में रहो।इससे पहले 18 फरवरी को साजिद नाडियाडवाला के जन्मदिन पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया था, जिसमें सलमान खान का इंटेंस लुक देखने को मिला था। गौरतलब है कि सलमान खान आगामी ईद पर 'सिकंदर' के साथ बड़े पर्दे पर वापस आ रहे हैं, इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना भी होंगी।

'सास-बहू की महाभारत' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म सास बहू की महाभारत का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म सास-बहू की महाभारत, निर्माता प्रदीप सिंह और प्रतिक सिंह की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है।निर्माता प्रदीप सिंह ने बताया कि हमने इस फिल्म को पूरी मेहनत और लगन से बनाया है जिससे यह दर्शकों को सिर्फ एंटरटेन ही नहीं करे, बल्कि एक मजबूत संदेश भी दे। फिल्म में पारिवारिक संबंधों को गहराई से दिखाया गया है, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करेगा। हमें उम्मीद है कि दर्शक इसे बड़े उत्साह के साथ स्वीकार करेंगे और इसे अपना प्यार देंगे। फिल्म सास-बहू की महाभारत में संचिता बनर्जी, विक्रांत सिंह राजपूत, जय यादव, शालू सिंह, जे. नीलम, राम सुजान सिंह, संजय पांडे, रितु पांडे और कंचन मिश्रा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म में गेस्ट अपीयरेंस के रूप में भोजपुरी इंडस्ट्री के दो चर्चित चेहरे स्मृति सिन्हा और देव सिंह भी दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन अजय कुमार झा ने किया है।फिल्म का संगीत साजन मिश्रा ने तैयार किया है, जबकि गीत प्यारे लाल यादव ने लिखे हैं।फिल्म की कहानी शमशेर सेन ने लिखी है। छायांकन मनोज सिंह ने किया है। संपादक गुरजंट सिंह, नृत्य निर्देशन कानू मुखर्जी, कला निर्देशन रणधीर दास, कार्यकारी निर्माता आशीष दुबे हैं।

'दम लगाके हईशा' की रिलीज से पहले कई रातों तक सो नहीं पाया था : आयुष्मान खुराना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना का कहना है कि दम लगाके हईशा' की रिलीज से पहले वह कई रातों तक सो नहीं पाये थे। आज से ठीक दस साल पहले, 'दम लगाके हईशा' ने अपनी सादगी भरी कहानी, नॉस्टैल्जिक माहौल और अनोखी लेकिन दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी के साथ दर्शकों का दिल जीत लिया था। इस फिल्म ने हिंदी सिनेमा में एक नया ट्रेंड सेट किया और साथ ही आयुष्मान खुराना की बतौर अभिनेता पहचान भी मजबूत की। शरत कटारिया निर्देशित और यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। 'विकी डोनर' के साथ शानदार डेब्यू करने के बावजूद, आयुष्मान को इंडस्ट्री में कई गलत फैसलों की वजह से असफलताओं का सामना करना पड़ा। ऐसे में 'दम लगाके हईशा' उनके करियर के लिए बेहद महत्वपूर्ण फिल्म बन गई थी। आयुष्मान ने कहा,इस फिल्म की रिलीज़ से पहले मैं कई रातों तक सो नहीं पाया था। 'विकी डोनर' की जबरदस्त सफलता के बाद अचानक मुझे स्टार बना दिया गया, लेकिन मुझे समझ ही नहीं आया कि इस सफलता को कैसे आगे

बढ़ाना है। मैं इंडस्ट्री में नया था, मेरे पास कोई गाइडेंस नहीं थी, और मैंने कई गलत फैसले लिए। आयुष्मान ने कहा , 'दम लगाके हईशा' से पहले मेरे लगातार तीन फ्लॉप फिल्में आई थीं। इंडस्ट्री में कहते हैं कि हर शुक्रवार हम फिर से जन्म लेते हैं और हमारा करियर भी उसी दिन तय होता है। मैं बस यही चाहता था कि यह शुक्रवार मेरा हो! रिलीज़ से पहले मैं पूरी तरह घबराया हुआ था, लेकिन फिल्म हिट हुई और इसने मुझे इंडस्ट्री में एक नई पहचान दी। आयुष्मान ने अपनी टीम का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मुझे इस फिल्म से दोबारा जीवन मिला। इस सफर के लिए मैं शरत कटारिया, मनीष शर्मा, आदित्य चोपड़ा सर और मेरी को-स्टार भूमि पेडनेकर का दिल से धन्यवाद करता हूँ।

फिल्म की 10वीं वर्षगांठ पर, आयुष्मान ने सोशल मीडिया पर अपनी 10 साल पहले की खुद की भावनाओं को साझा किया और लिखा: धीरे चलो, पागल बच्चे। तुम ठीक हो जाओगे। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव देखोगे, मुश्किलों से गुज़रोगे और उससे और भी मज़बूत बनोगे। तुम्हारी बड़ी प्लानिंग को लेकर कोई हड़बड़ी मत करो। कोई जल्दी नहीं है। सिर्फ हिट फिल्म देना ही मकसद नहीं है, इससे कहीं बड़ा एक सपना है। अपने अंदर के हसलर को थोड़ा शांत करो और उस सच्चे आर्टिस्ट को उभरने दो, जिसे बनने की तुमने हमेशा ख्वाहिश रखी है। ऊपर देखो, इस जिंदगी के लिए, इस मौके के लिए और अपने एक्टर बनने के सपने को जीने के लिए शुक्रगुज़ार रहो। घबराओ मत, सब ठीक हो जाएगा। 'दम लगाके हईशा', यह छोटी सी लेकिन दिल से बड़ी फिल्म लाखों लोगों के दिलों को छू जाएगी और उन्हें फिर से प्यार करने का अहसास दिलाएगी। अपने जड़ों से जुड़े रहो और अपने दिल की सुनो। तुम भगवान के सबसे प्रिय बच्चे हो। धीरे चलो, पागल बच्चे! आयुष्मान ने कहा,'दम लगाके हईशा' आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। इसने मुझे यह विश्वास दिलाया कि एक अच्छी और अलग कहानी हमेशा अपना दर्शक ढूंढ ही लेती है। यही सोच मैं आज भी अपने हर फिल्म चुनाव में अपनाता हूँ। और आगे भी, मैं हमेशा कुछ नया और अनोखा करता रहूँगा, क्योंकि यही मेरी पहचान है!

इम्तियाज अली ने घोषित की नई सीरीज 'ओ साथी रे'

मुंबई/एजेन्सी

हिन्दी सिनेमा के ख्यातनाम निर्देशक इम्तियाज अली अपनी फिल्म चमकीला को लेकर खूब सुर्खियों में रहे थे। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा लीड रोल में नजर आए थे। अब इम्तियाज अली फिर से एक बार पर्दे पर लौट रहे हैं।

इम्तियाज अली ने अपनी अपकमिंग सीरीज 'ओ साथी रे' का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज में अविनाश मिश्रा, अदिति राव हैदरी और अर्जुन रामपाल अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। सीरीज के निर्माता इम्तियाज के प्रोजेक्ट में अदिति राव हैदरी, अर्जुन रामपाल और अविनाश तिवारी हैं नेटफ्लिक्स पर ये कहानी बताते नजर आएंगे। गुरुवार को नेटफ्लिक्स ने कलाकारों के स्क्रिप्ट पढ़ने के सत्र से एक वीडियो साझा किया।

कहानी को दुनिया के सामने पेश करने के लिए उत्साहित इम्तियाज ने एक प्रेस नोट में कहा, 'ओ साथी रे ने मुझे इसके विकास के हर मोड़ पर आश्चर्यचकित कर दिया। यह पुराने दिल के साथ एक आधुनिक कहानी है, जो महानगरीय जीवन की असफलता पर आधारित एक मंत्रमुग्ध परी कथा है। आरिफ द्वारा अविनाश अदिति और अर्जुन (ऑल एसेस देयर) के तारकीय कलाकारों को निर्देशित करने से मैं राहत और उत्साहित दोनों महसूस करता हूं और यह नेटफ्लिक्स के साथ लगातार मजबूत होता रिश्ता है जिसने हमें ओ की भ्रामक आकर्षक दुनिया में प्रवेश करने में सक्षम बनाया है।'

नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड ने कहा, 'हम एक ऐसी कहानी लाने के लिए रोमांचित हैं जो प्यार, रिश्तों और मानवीय दुविधाओं पर प्रकाश डालती है। इम्तियाज़ के हस्ताक्षर, गहरी प्रामाणिक शैली, इन कहानियों की लगभग भयावह गुणवत्ता में वर्णित है। हमने एक साथ अपनी अगली श्रृंखला के लिए विचार तलाशना शुरू किया। हम एक अंतर्निहित संगीतमयता के साथ कुछ चाहते थे, शायद एक गीत से प्रेरित और फिर इम्तियाज ने एक कहानी तैयार की इसे ओ साथी रे कहा और उस कहानी ने हमें उतनी ही गहराई से प्रभावित किया जितना कि गीत अभी भी करता है। यह समसामयिक समय में रिश्तों पर एक ताज़ा और अभिनव दृष्टिकोण है।

सीरीज की स्टारकास्ट में अदिति, अर्जुन और अविनाश के साथ हम इस खूबसूरत और काव्यात्मक कहानी को जीवंत करने के लिए तैयार हैं। हम विंडो सीट फिल्म्स और पूरी टीम और हमारे अविश्वसनीय कलाकारों और क्रू के साथ इस यात्रा को शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 01-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जीतो साऊथ ने 'गेटवे टू ग्रोथ-विसिटर डे' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें स्वउद्यमियों को अपने व्यवसाय के विकास व विस्तार के लिए बेहतर आयाम तथा अन्य उद्यमियों से नेटवर्क स्थापित करने मौका मिला। कार्यक्रम में 250 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

बसवनगुड़ी में दादाश्री जिनकुशलसूरी गुरुदेव का 692वां स्वर्गारोहण दिवस आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी के आशीर्वाद से मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व मुकुलप्रभप्रभसागरजी की निश्रा में 50 हजार नूतन जैन निर्माता, कलिकाल कल्पतरू, तृतीय दादा गुरुदेवश्री जिनकुशलसूरी गुरुदेव का 692वां स्वर्गारोहण दिवस मनाया गया। दादावाडी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी का स्वागत करते हुए तृतीय दादा गुरुदेव श्री जिन कुशलसूरीश्वरजी का गुणानुवाद किया। ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि आज ही के दिन मालपुरा में दादाश्री जिनकुशलसूरीश्वरजी ने अपने देहत्याग किया था। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर दादा गुरुदेव की पूजा अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा पढ़ाई गई और शाम में जिनकुशलसूरी जैन धार्मिक पाठशाला द्वारा गुरुदेव की भक्ति की गई। गुरुदेव स्वार्गारोहण दिवस कार्यक्रम के सम्पूर्ण लाभार्थी कुसुमदेवी, तेजराज मनोजकुमार,आनन्दकुमार मालानी परिवार थे। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, निर्भयलाल गुलेच्छा, तेजराज गुलेच्छा, विजयराज डोसी, रनजीत ललवानी, मोतीलाल ललवानी, प्रकाश भन्साली, राजेन्द्र गुलेच्छा, आरती जैन, पंकज बाफना, विकास खटोड़ के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य गुरुदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र गुलेच्छा ने किया।

सुख प्राप्ति के लिए पुण्य का संचय करना जरुरी : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/होसूर। बेंगलूरु से विभिन्न सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में सान्निध्यता प्रदान कर उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी व शालिभद्रमुनिजी ने तमिलनाडु की ओर विहार किया। होसूर स्थित महेश पाइप्स के प्रांगण में आयोजित प्रवचन में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने कहा कि जीवन में तीन अवस्था होती है, पहली शुभ, अशुभ व शुद्ध अवस्था। हमें शुभ-अशुभ में नहीं अटकना चाहिए अपितु हमें अशुभ से शुभ में गतिमान होते हुए शुद्ध अवस्था में स्थित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसार में जब तक व्यक्ति का पुण्य है तक तब वह जो भी करें सब सीधा पड़ता है और जब पाप का उदय होता है तो व्यक्ति अर्श से फर्श पर पहुंच जाता है। मुनिश्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह एक पात्र में यदि सबसे पहले गेहूं भरा गया और उसके ऊपर बाजरा तो जब उस पात्र को नीचे से खोला जाएगा तो गेहूं प्राप्त होगा और बाद में बाजरा। ठीक उसी तरह से जब तक पुण्यवानी है तो गेहूं रूपी सुख प्राप्त होगा। पाप का उदय होते ही गेहूं खत्म होकर दुख रूपी बाजरा मिलेगा। इसलिए हमेशा जीवन में पुण्य का संचय करना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि अविश्वसनीय जिन्दगी में कुछ सुकृत करते रहें सबके सुख दुख में स्वयं बांटते रहे और अच्छे भावों को प्रतिष्ठित करते रहें। उन्होंने कहा कि जैसी ध्वनि वैसी ही प्रतिध्वनि और जैसी छवि वैसी प्रतिछवि। सबके साथ अच्छे भावों से पेश आए तो संसार भी आपके साथ अच्छा रहेगा। सभा में अशोक रांका, दिलीप चौपड़ा, मनीष कोठारी, वसंत चौपड़ा, विमला रांका, महेन्द्र राका, रमेश खाबिया, पवन भंसाली, मनोज पालरेचा आदि अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

गेटवे टू ग्रोथ-विसिटर डे कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

'जीतो' साउथ चैप्टर-जेबीएन द्वारा हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो साऊथ ने 'गेटवे टू ग्रोथ-विसिटर डे' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें स्वउद्यमियों को अपने व्यवसाय के विकास व विस्तार के लिए बेहतर आयाम तथा अन्य उद्यमियों से नेटवर्क स्थापित करने मौका मिला। कार्यक्रम में 250 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। इसमें प्रतिभागियों को आपसी नेटवर्क बढाने और कारोबारी साझेदारी की संभावनाओं का मौका मिला। ड्रेस कोड प्रतिष्ठान के अनूप श्रीश्रीमाल द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य एक ऐसे कारोबारी ईकोसिस्टम को तैयार करना था, जहां सभी तरह के कारोबार से जुडे, हर तबके के उद्यमी को अपने काम को विकसित व लाभदायक बनाने के लिए उचित जगह और मार्ग दर्शन मिल सके। जेबीएन बंगलौर साऊथ के संयोजक विजय मेहता ने सभी का स्वागत किया।

जीतो साऊथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति में कारोबारी कामयाबी में नेटवर्किंग की महत्ता पर ज़ोर दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों को जीतो और जेबीएन में जुडने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रुप में उपस्थित वंदना कांकणी ने कारोबारी कामयाबी के लिए लक्ष्य निर्धारण पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने स्वउद्यमियों को बडी सोच अपनाने के प्रति प्रेरित किया और कहा कि अपने कारोबार के दायरे को बढाने के लिए सही निवेश के स्रोत की पहचान करना बहुत ज़रूरी है। अपने अपने क्षेत्र के कामयाब लोगों से सीखने की सतत कोशिश करनी चाहिए। जीतो एपेक्स के पूर्व निदेशक विनोद जैन ने अपने उद्यम के सफर की तमाम बातें साझा की और इस बात पर ज़ोर दिया कि नया कारोबार शुरु करने और किसी कार्यरत कारोबार को मैनेज करना, दो अलग अलग बातें है। नया कारोबार करने के लिए एक स्वउद्यमी के गुण होने चाहिए, जब कि किसी कारोबार का मेहज संचालन तो मैनेजर भी कर सकता है। कारोबारी सफ़लता के लिए एक मजबूत मार्केटिंग टीम और तकनीक के सही इस्तेमाल पर उनहोंने ज़ोर दिया। जेबीएन चेयरमैन कैलाश गुलेच्छा ने ऑनलाइन तरीके से बताया कि बिजनेस ट्रेंसेक्शन को सशक्त करने के लिए डिजिटल एप्लीकेशन लाँच होने जा रहा है। उन्होंने घोषणा की कि जेबीएन को वैश्विक बनाने के लिए 51 सदस्यों की नियुक्ति होने जा रही है। जेबीएन केकेजी जोन के संयोजक तुषार बाफ़ना ने जेबीएन संबंधित संभावनाओ पर प्रेसेंटेशन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में प्रायोजक व मुख्य वक्ता का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में जीतो के उपचेयरमैन महेंद्र रांका व राजेंद्र दांतेवाडिया, मुख्य सचिव नितिन लूनिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपडा, सचिव प्रतीक गांधी, सह कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाडिया व नरेंद्र संकलेचा, जेबीएन नॉर्थ के संयोजक मदन जैन, जीतो यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल, ट्रेंडसेटर्स लीडर, यूनिकोर्न तथा अचीवर्स के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। जेबीएन साऊथ के सहसंयोजक ललित बागरेचा ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन अमुम जैन ने किया।

वार्षिक महाशिवरात्रि महोत्सव में गूंजा सामाजिक एकता का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोदूर(हुब्बल्ली)। स्थानीय कर्नाटक जाट समाज ट्रस्ट का 18वां वार्षिक महाशिवरात्रि महोत्सव भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज भवन के लिए बनाई गई नई बाउंड्री का उद्घाटन हुआ। बाड़मेर-जैसलमेर-बालोतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद उमेदाराम बेनीवाल, सिद्धश्री पुरनाथजी महाराज, जिला परिषद सदस्य खैराज हुड्डा, कर्नाटक जाट समाज के संस्थापक हीराराम गोदारा, शिवराम पारसरिया और कर्नाटक जाट समाज अध्यक्ष बाबूलाल सारण ने उद्घाटन किया।

बैठक में समाज की एकता और विकास पर अपने विचार साझा किए। उमेदाराम बेनीवाल ने कहा कि हममें से अधिकतर लोग राजस्थान से रोजगार की तलाश में निकले थे और यह सफर आसान नहीं था, लेकिन अथक मेहनत से सफलता हासिल की। उन्होंने स्कूलों के डिजिटलाइजेशन की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने राजस्थान से कर्नाटक के लिए ट्रेनों की कमी का मुद्दा केन्द्र में उठाने और इसे हल करवाने का आश्वासन दिया। खैराज हुड्डा ने युवाओं से नशे से दूर रहने, पढ़ाई पर ध्यान देने, सामाजिक एकता पर बल दिया। हीराराम गोदारा ने समाज को चार मुख्य स्तंभ धर्म, शिक्षा, स्वास्थ्य व आर्थिक विकास पर जोर देना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फिट युवा-हिट युवा

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा तेरापंथ भवन में आयोजित विशेष योग शिविर के सातवें दिवस पर परिषद् सहमंत्री कमलेशदक ने अनेक योगिक क्रियाओं करवाई। अभातेयुप फिट युवा-हिट युवा आयाम के दक्षिण प्रभारी राकेश पोखरणा ने योगाभ्यास को निरंतर करने का आह्वान किया। विजयनगर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, उपाध्यक्ष अशोक मारू, मंत्री संजय भटेवरा, आयाम संयोजक सुशील गांधी, विमल पारख, जिग्नेश मेहता आदि उपस्थित थे।

फाल्गुन माह के उपलक्ष्य में हुए मंत्रजाप और महामांगलिक

सर्वमंगल की प्रार्थना में ही निहित है स्वमंगल की कामना : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरियूर। शुक्रवार को स्थानीय ज्ञानमंदिर में फाल्गुन माह के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित विशेष प्रार्थना कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान की पूजा, गुरुदर्शन, मंगलपाठ, देवी-देवताओं की अर्चना, यंत्रस्थपना, तीर्थयात्रा, गौपूजन, मंत्रजाप, तपस्या, शकुन देखना, गुड़ या दही खाना आदि सभी द्रव्यात्मक विधि-विधान द्रव्य मंगल है। इनका अल्प प्रभाव या महत्व माना जा सकता है। लेकिन मन से सभी के प्रति राग-द्वेष को कम करना और निर्मल मैत्रीभावना की स्थापना करना भावमंगल है। यदि द्रव्यमंगल को दस अंक दें तो भावमंगल को सौ अंक मिलेंगे, इतनी महत्वपूर्ण है सबके शुभ-मंगल की कामना। सर्वमंगल की प्रार्थना ही संसार के लिए संजीवनी जड़ीबूटी है। सारांश में यह कहा जा सकता है कि बुरा सोचने से बुरा और भला सोचने से भला होता है। कहावतें मात्र दोहराने के लिए ही नहीं होती, गहरे अर्थों से भरी वे प्रेरणापुंज होती हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आध्यत्मिक और मनोवैज्ञानिक रूप से मंगल-अमंगल का धरातल मनुष्य का मन है। जब हम दूसरों के शुभ की कामना करते हैं तो गहरे अर्थ में वह स्वयं का मंगल है और जब हम दूसरों के अशुभ का चिंतन करते हैं तो वास्तविक रूप में वह स्वयं के अमंगल की व्यवस्था है। इस प्रकार आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक रूप से सर्वमंगल की प्रार्थना में स्वमंगल की कामना निहित है। मात्र स्वहित की चिंता करना या अपने और अपने परिवार के मंगल की अभिलाषा करना तो निपट स्वार्थ है।

उसका प्रभाव बहुत गहरा नहीं होता। लेकिन सबके हित की चिंता और सबके सुख की अभिलाषा शुद्ध परमार्थ और परार्थ की भावना है। ऐसी प्रार्थना सत्वशाली आत्माएं ही कर सकती है। यह भारतीय संस्कृति का प्राणतत्व है। इस अर्थ में भारतीय संस्कृति अन्य संस्कृतियों से सर्वथा भिन्न है। सत्वहीन मनुष्य तो सदैव दूसरों के बुरे और अशुभ का ही चिंतन करता है। हकीकत में ऐसे लोग इससे अधिक कुछ नहीं कर सकते।

इससे पूर्व पदयात्रा करते हुए हिरियूर पहुंचने पर सकल राजस्थानी समाज बंधुओं ने एकत्रित होकर मंगल वाद्यों से आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी और सहवर्ती श्रमणों का उष्मपूर्ण स्वागत किया। इस अवसर पर गदग, हगरीबोम्मन हल्ली, कोप्पल, चलकेरे, शिवमोग्गा, होसदुर्गा और बेंगलूरु के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।संगीतमय मंत्रजाप और सबके उद्बोधन के पश्चात् कार्यक्रम के अंत ने सभी श्रमणजनों ने सामूहिक महामांगलिक प्रस्तुत कर सर्वमंगल, विश्वमंगल की प्रार्थना की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साध्वीदर्शन

बेंगलूरु के हनुमंतनगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतम दक, सहमंत्री महावीर देरासरिया, ज्ञानशाला संयोजिका मंजू दक ने मंञ्चा में विराजित साध्वीश्री पावनप्रभाजी व सिद्धप्रभाजी के दर्शन एवं सेवा का लाभ लिया। साध्वीश्री पुण्यप्रभाजी का आगामी चातुर्मास केजीएफ में तय है। श्रावकों ने साध्वीश्री ने हनुमंतनगर भवन में विराजने का निवेदन किया।

गौभक्त महेन्द्र मुणोत ने गौसेवा के लिए प्रेरित किया, हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नेरलूर। शहर के माधव सेवा संघ एवं समस्त गौ सेवकों द्वारा नंदा नंदी गौशाला नेरलूर में एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया , जिसमें बड़ी संख्या में राजस्थानी युवाओं ने गैर नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में भजन कलाकार ओम मुंडेल एवं अनिता जांगिड़ ने भजनों की प्रस्तुति दी।

बाल कलाकार कल्पना पटेल ने मनभावन नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में गो भक्तों ने बढ़ चढ़कर गौ सेवा के लिए दान राशि की घोषणा की। कृष्ण गौशाला आश्रम एवं विभिन्न गौशालाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने गो भक्तों को गौ सेवा के लिए प्रेरित किया। शिव गौ सेवा मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट, व्हाट्स फाउंडेशन एवं अन्य संगठनों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में भूमिका निभाई । आयोजकों ने अतिथियों एवं दानदाताओं को सम्मानित किया। मोहन सीरवी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

'स्नेह जोड़ता है, जबकि द्वेष तोड़ता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अक्कीपेट जैन स्थानक में विराजितश्री श्री विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि आयु कर्म खत्म होने से जीवन समाप्त नहीं होता है। मोहनीय कर्म को क्षय करने से ही आत्मा भगवद् श्रेणी में आ जाती है। आयु और मोह दोनों बहुत अन्तर है। राग-द्वेष का नाम ही मोहनीय कर्म है। संसार में जीव जन्म-मरण आयु कर्म की शुरुआत और मृत्यु उसका अन्त कराती है। हकीकत मोहनीय कर्म के लिए या मोह के कारण ही जीव जन्म-मरण करता है। यदि मोह को जीत ले या क्षय कर दें तो जन्म मरण और आयु कर्म बांधना रुक जाता है। संसार उस को कहते है जहाँ जन्म-मरण, राग, द्वेष, मोह, क्रोध, मान, माया, लोभ में रत रहता है, अच्छे काम नहीं के बराबर करता है, ज्यादातर शरीर-इंद्रियों से मिलने वाले, साधनों से मिलने वाले सुखों को ही भोगने में जीवन बीताता जाता है। जिस प्रकार पक्षी-जमीन नहीं छोडता है तो आकाश की सैर कैसे कर सकता है। पंखों से उसकी उड़ानें होती है। विभिन्न स्थानों से जीवन यापन की सामग्री है खाता पीता है, अपने बाल बच्चों को भी खिलाता है, ठीक उसी प्रकार साधक भी ज्ञान-क्रिया (चारित्र) की दो पंखो से वीतरागता को प्राप्त करने की ध्यान, मौन, अहिंसा, संयम, तप द्वारा धर्म क्षेत्र में उड़ान भरता है। स्व-पर दोनों का कल्याण करता है।

मोह में स्नेह तथा द्वेष दो रूप है। स्नेह जोड़ता है जबकि द्वेष तोड़ता है। लेना-देना, अच्छे बुरे कर्मो का हिसाब अर्थात् जैसा करेगा वैसा भरेगा शाश्वत् कर्म सिद्धान्त के नियम से संसार चलता है। हमें बुराई को छोड स्व-पर की भलाई में लग जाना चाहिए। आस्थाश्रीजी व मल्लीश्रीजी का मुनिश्री से आध्यात्म भाव में मिलना हुआ। अक्कीपेट के उपमंत्री विनोदकुमार भुरट ने सभी का स्वागत किया। संघ अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने आभार व्यक्त किया।

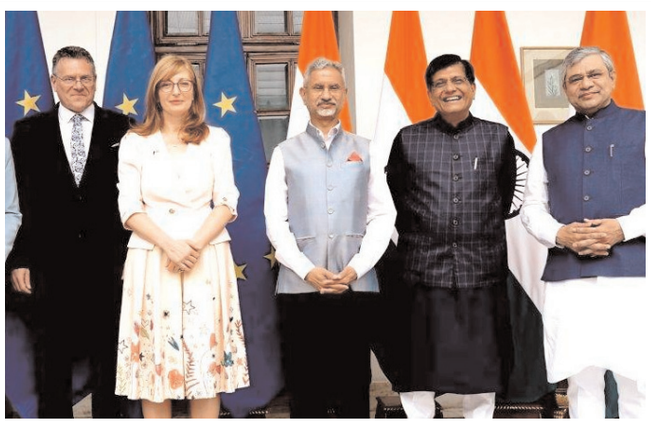

बैठक

विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ शुक्रवार को नई दिल्ली में द्वितीय भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में शामिल हुए।

आईजी गैर एवं सेवा संघ की नई कार्यकारिणी समिति गठित

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के केआरएस रोड पर स्थित श्री आईमाता मंदिर के प्रांगण में होलिका आयोजन को लेकर दोनों मंडल की सामूहिक बैठक का आयोजन गुरुवार रात्रि को किया गया जिसमे गैर मंडल के वर्तमान अध्यक्ष चेनाराम परिहार, उपाध्यक्ष धर्मीचंद हामड़ द्वारा पिछले वर्षो का आय व्यय का हिसाब पेश किया गया। साथ ही नई कार्यकारिणी समिति का चुनाव किया गया जिसमें सर्व सहमति से अध्यक्ष पद हेतु रुपाराम राठौड़ व उपाध्यक्ष गोपाराम सोलंकी को चुना गया। आईजी सेवा संघ के अध्यक्ष पद हेतु चेनाराम राठौड़ व सचिव मोहनलाल चोयल को चुना गया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com